A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 28 जुलाई, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 289, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

पहली बात

जनगणना के समानान्तर जुगनुओं की गिनती का आसुरी-खुलासा

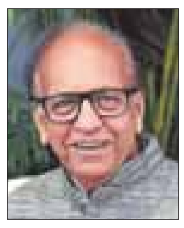

उमेश त्रिवेदी
प्रधान संपादक

वर्ष 2027 में भारत की सोलहवीं जनगणना के सियासी विवादों के बीच मासूम जुगनुओं की गणना के समाचार 'फुट नोट' की तरह हाशिए पर भी गुम हो गए प्रतीक होते हैं। इंसान और जुगनुओं की गणनाओं की समानान्तर कोशिशों का यह संयोग इंसानी-फितरत के उस आसुरी-तत्व का खुलासा करता है, जिसके आगे प्रकृति और प्राकृतिक जीवन का वजूद नगण्य है। यह आसुरी-खुलासा कहता है कि इंसानी फितरत के आसुरी विस्तार के आगे दुनिया के जीवन-चक्र में इंसान के अलावा सभी जीव-जंतुओं और प्रकृति के ठौर-ठिकाने अपने अस्तित्व के खतरनाक दौर से गुजर रहे हैं।

चार जुलाई को विश्व जुगनू दिवस पर जुगनू की तलाश में देहरादून स्थित ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी और भारतीय वन्यजीव संस्थान ने भारत में भी जुगनुओं की गिनती के लिए अभियान चलाया था। उसके निष्कर्षों में इस तथ्य से मुंह चुराना संभव नहीं है कि रात में पेड़-पौधों के झुरमुटों में चमकते जुगनुओं की कहानी कमजोर होती जा रही है। मधुमक्खियों और तितलियों की तरह जुगनुओं की बिरादरी भी दुनिया मे सिमटती जा रही है। हमारे इर्द-गिर्द उड़ती रोशनियों के मंजर में अंधेरों के खंजर उग आए हैं। जुगनू कुदरत का नायाब करिश्मा है। जुगनू दुनिया की उन घाटियों को रोशन करते हैं, जहां ऱोशनी का भी दम घुटता है।

जुगनुओं का फसाना और नजारा दिलचस्प होता है। जैसे ही सूरज ढलता है, पेड़ों के बीच चकमक पत्थरों से फूटने वाली चिंगारियों के तरह रोशनी के छोटे-छोटे अवतारों की मासूम चमक का सिलसिला नजर आने लगता है। दूरदराज देहातों में, कस्बों और शहरों के अंधेरे कोनों में पहले हवाओं में तैरती एक जलती-बुझती चिंगारी की चमक अपने मासूम अस्तित्व के साथ अंधेरों से आंख-मिचौली करती है, फिर अंधेरों को चीरती ये चिंगारियां धीरे-धीरे जंगलों में सैकड़ों चमकती हुई रोशनियों के कारवां में तब्दील हो जाती हैं।

वैज्ञानिक फिजाओं मे खूबसूरती घोलने वाले इन जुगनुओं के अस्तित्व को लेकर चिंतित हैं। इंसान की गैर-जरूरी चाहतों की वजह से जुगनुओं के प्राकृतिक आवास घास के मैदान, जंगल और आर्द्र-भूमि लगातार सिमट रही है। पेड़ों के तने और छाल की खांचों में घर बनाने की जगह में कमी के कारण जुगनुओं के रहने और प्रजनन की जगह कम होती जा रही है। स्ट्रीट लाइट और घर की रोशनी जुगनू की प्रणय-प्रक्रियाओं को बाधित करने लगे है। कीटनाशकों के उपयोग ने खेत-खलिहान में भी जुगनुओं का आसरा छीन लिया है।

बिजली का चमकदार प्रकाश जुगनुओं की मासूम रोशनी के लिए नुकसानदेह है। प्रकाश-प्रदूषण उनके प्रवास के पैटर्न को प्रभावित करता है और उनकी चमक में उदभूत् प्रणय के संकेतों को भी भ्रमित करता है। जिसका असर इनकी जनसंख्या पर पड़ रहा है। जैसे-जैसे मानव आबादी का विस्तार हो रहा है, वनभूमि पर पक्के घर बनते जा रहे हैं, घास के मैदानों पर लॉन बनते जा रहे हैं, जमीन की आर्द्रता को सीमेंट निगलती जा रही है, जुगनू के अस्तित्व पर संकट गहराता जा रहा है।

शब्दकोष में भले ही जुगनुओं के पर्यायवाची शब्दों के रूप में खद्योत, पटबीजना, सोनकिरवा, भगजोगिनी या प्रकाशकीट जैसे नाम दर्ज हों, लेकिन भारत के देहातों में इनका साधारण नाम जुगनू ही है। वैज्ञानिक इन्हें 'लैमपाइरिडे' कहते हैं। प्रकाश पैदा करने के कारण इन्हें 'ल्यूमिनसेंट' भी कहा जाता है। सर्वाहारी जुगनुओं की जिंदगी की मियाद लगभग दो महिने होती है। आकार एक इंच होता है। वैज्ञानिक राबर्ट बॉयल ने 1667 में सबसे पहले जुगनू की खोज की थी। पहले माना जाता था कि फास्फोरस की वजह जुगनू चमकते हैं। लेकिन वैज्ञानिकों के अनुसार जुगनू की चमक का सबब फास्फोरस नहीं, बल्कि ल्युसिफेरेस नामक प्रोटीन हैं।

'लाइटनिंग-बग' के नाम से भी पहचाने जाने वाले जुगनू न तो कीड़े होते हैं और ना ही इन्हे मक्खियों की श्रेणी मे रखा जाता है। 'लाइटनिंग-बग' या 'फायर-फ्लाइज' एक प्रकार का भृंग हैं, जिनके पंख लगे होते हैं। भृंग अपने पेट के निचले हिस्से (शरीर के निचले भाग) मे रासायनिक प्रतिक्रियाओं का उपयोग करके रोशनी पैदा करते है। उनके पेट के नीचे विशेष अंग होते हैं जो ऑक्सीजन लेते हैं। विशेष कोशिकाओं के अंदर वे ऑक्सीजन से ल्यूसिफरिन नामक पदार्थ बनाकर बिना किसी गर्मी के प्रकाश पैदा करते हैं। इस प्रकाश का इस्तेमाल वो अपने पेट के सिरों को रोशन करने के लिए करते हैं। चिंगारियों का आभास देने वाला जुगनों का प्रकाश ठंडा होता है। ये रोशनी एक विशिष्ट-पैटर्न में होती है, जुगनू जिसका उपयोग गुप्त कोड की तरह जुगनुओं से आपसी संवाद करने और अपना साथी खोजने के लिए करते हैं।

दुनिया मे जुगनुओं की दो हजार प्रजातियां हैं। भारत में इनकी संख्या 50 हैं। सभी जुगनू एक ही बीटल परिवार से संबंधित हैं। इनके चमकने के अंदाज और तरीकों से इन्हे तीन समूहों में बांटा गया है। तीनों समूहों के जुगनू अपने समूह के साथी को आकर्षित करने के लिए अलग-अलग तरीके से चमक पैदा करते हैं। प्रत्येक जुगनू की प्रजाति का चमकने के अपना अनूठा पैटर्न होता है। कुछ जुगनू त्वरित चमक पैदा करते हैं, जबकि कुछ जुगनू लंबे समय तक चमकते हैं। फिर अपने समूह की पहचान सुनिश्चत करने के लिए अन्य अदृश्य रासायनिक संकेतों का उपयोग करते हैं।

जब नर जुगनू, मादा जुगनू से संवाद करना चाहता है, वो वह हर 6 सैकंड में अपनी रोशनी चमकाते हुए जमीन के पास उड़ता है। एक बार जब वह जमीन के पास पहुंच जाता है तो मादा जुगनू आसानी से बता सकती है कि वह जुगनू उसकी प्रजाति का है अथवा नहीं है। ज्यादातर मादा जुगनू उड़ने में असमर्थ होती हैं। वह अपनी रोशनी जलाकर उसकी चमक का जवाब देती हैं। फिर नर जुगनू उसे ढूंढ लेता है।

सामान्य तौर पर जुगनू उतने असहाय नहीं होते हैं जितने वो दिखते हैं। दलदली सतहों पर रहने वाले नरम कीड़ों के भयंकर शिकारी जुगनू जहरीले और बदबूदार होते हैं। वो उन पर आक्रमण करने वाले शिकारियों पर जहरीले रसायनों से युक्त खून की घातक बूंदे छोड़ते हैं। इस वजह से पक्षी, टोड या मकडी जैसे कीटों का शिकार करने वाले प्राणी जुगनूओं से दूर रहना ही पसंद करते हैं। कीटों का शिकार करने वाले पक्षी जुगनू की रोशनी से पहचान कर उनसे दूरी बनाए रखते हैं। जुगनुओं की चमक शिकारी पक्षियों के लिए चेतावनी का काम करती है। उनके छोटे आकार के कारण उन्हें टैग करना मुश्किल है। फिऱ एक वयस्क जुगनू की जीवनकाल बमुश्किल एक से तीन सप्ताह तक ही होता है इस बीच उसे गिन पाना मुश्किल है। जुगनू का प्रकाश हरा,पीला या नारंगी हो सकता है।

जुगनू ज्यादातर एशियाई देशों और अमेरिका के नमी वाले इलाको में मिलते हैं। पृथ्वी पर जुगनुओं का अस्तित्व डायनासौर के युग जितना पुराना है। जुगनुओं के बिना पल-बढ़ रही नई पीढ़ी को शायद पता नहीं चलेगा कि वो क्या खो रहे हैं ? वास्तविक जीवन में जुगनू की खूबसूरती बरकरार रखने के लिए कायम रात के उड़ते सितारों के लिए अलग से प्रयास करना होगें। तभी शायद हम गरमी में टिमटिमाते जुगनुओ का आनंद लेने वाली आखिरी पीढ़ी साबित नही होगें? पिछले सौ सालों में सिर्फ भारत की आबादी 23 करोड़ से बढ़कर 140 करोड़ हो गई है। 117 करोड़ का यह इजाफा ही जल-जंगल-जमीन और जीव जंतुओं के जीवन-चक्र में आसुरी अतिक्रमण का सबब है।

सुप्रभात

दुनियादारी सीखते हुए
मैंने पापा से पूछा–
पापा! ऐसा क्यों लगता है कि
लोग सच नहीं बोलते
पापा ने कहा–
ऐसा इसलिए कि
यह सुविधा की दुनिया है
लोग सुविधा के हिसाब से जीते हैं
मैंने कहा–
तो यह सच्ची दुनिया नहीं है पापा?
पापा ने कहा–
यह सिक्कों वाली दुनिया है
जिसके दोनों पहलू कभी एक–से नहीं होते
तभी तो द्वंद्व से
पहिया घूम रहा है
मैंने कहा–
यानी
दो के बीच संतुलन में ही दुनिया का सच है
पापा ने कहा– हां!
फिलहाल पूरे तराजू की तरह सोचो
एक पलड़े की तरह नहीं
सीधी–सी बात समझाकर
पापा मुस्कुराए!

- राग तेलंग

चोल साम्राज्य का दौर भारत के स्वर्णिम युगों में से एक था

- चोल राजा की 1000वीं जयंती पर पीएम ने कहा- यह उनकी भूमि
- तमिलनाडु के गंगईकोंड चोलपुरम मंदिर पहुंचे मोदी, की पूजा-अर्चना

पीएम बोले- जब ऊं नमः शिवाय सुनता हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं

चेन्नई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री के तमिलनाडु दौरे का रविवार को दूसरा दिन था। रविवार दोपहर 12 बजे पीएम मोदी ने त्रिची में होटल से लेकर एयरपोर्ट तक रोड शो किया। इसके बाद वे अरियालुर के गंगईकोंड चोलपुरम मंदिर पहुंचे। पीएम यहां चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की 1000वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा- यह राजराजा की आस्था की भूमि है और इलैयाराजा ने इस आस्था की भूमि पर हम सभी को शिव भक्ति में डुबो दिया है। मैं काशी से सांसद हूं। और जब मैं 'ऊं नमः शिवाय' सुनता हूं, तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। पीएम ने आगे कहा- इतिहासकार मानते हैं कि चोल साम्राज्य का दौर भारत के स्वर्णिम युगों में से एक था। भारत की परंपरा को भी चोल साम्राज्य ने आगे बढ़ाया था। मैं राजा राजेंद्र चोल को नमन करता हूं। मुझे भगवान बृहदेश्वर के चरणों में उपस्थित होकर पूजा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैंने इस ऐतिहासिक मंदिर में 140 करोड़ भारतीयों के कल्याण और भारत की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की है। मेरी कामना है कि सभी को भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त हो। चोल साम्राज्य का विस्तार दूर तक था।

पुणे, शराब और शबाब, रेव पार्टी में छापामारी

- एकनाथ खडसे के दामाद समेत 7 लोग हिरासत में

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में पुलिस ने रविवार तड़के एक अपार्टमेंट में चल रही पार्टी में छापा मारकर ड्रग्स, हुक्का और शराब जब्त की। इसके साथ ही सात लोगों को हिरासत में लिया, जिसमें महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद भी शामिल हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे की बेटी रोहिणी खडसे के पति प्रांजल खेवलकर भी हिरासत में लिए गए लोगों में शामिल हैं। एनसीपी (सपा) नेता एकनाथ खडसे ने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच होनी चाहिए कि क्या पुलिस कार्रवाई के पीछे कोई राजनीतिक मकसद था। रोहिणी खडसे विपक्षी एनसीपी (सपा) की महिला शाखा की प्रदेश अध्यक्ष हैं। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस की अपराध शाखा ने रेव पार्टी के बारे में गुप्त सूचना के आधार पर महाराष्ट्र के पुणे शहर के खराडी इलाके में स्थित स्टूडियो अपार्टमेंट पर छापा मारा।

प्रधानमंत्री मोदी का मन की बात कार्यक्रम देशवासियों से सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम :मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वच्छता के लिए भोपाल की टीम 'सकारात्मक सोच' और बुंदेलखण्ड के ऐतिहासिक किलों का किया उल्लेख

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड के ऐतिहासिक किलों की विशिष्टता और भोपाल की स्वच्छता के प्रति जागरूक महिलाओं की सराहना कर उत्साहवर्धन और प्रेरणा प्रदान करना दिव्य ऊर्जा और नवसंकल्प से अभिभूत करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जन-जन की शक्ति को राष्ट्र के नव निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर में बड़ी सफलता मिली, कारगिल विजय दिवस भी हमारी सेना के शौर्य के स्मरण का महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जन-जन को समर्थ बनाने के लिए राज्य सरकार रोजगार और स्वावलंबन की दिशा में कार्य कर रही है। मेहनतकश लोगों के लिए उद्योगों के रूप में मंदिर बनाने का क्रम राज्य में निरंतर जारी है। भोपाल की सीमा के पास रायसेन में विशाल रेल कोच निर्माण इकाई का भूमिपूजन 10 अगस्त को होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को 'मन की बात' के 124वें संस्करण का भोपाल के वार्ड क्रमांक 50 स्थित एक निजी स्कूल में स्थानीय रहवासियों के साथ श्रवण करने के बाद यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर स्थानीय रहवासियों के साथ बरगद का पौधा भी रोपा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि भोपाल की एक टीम का नाम 'सकारात्मक सोच' है, इसमें 200 महिलाएं हैं। ये सिर्फ सफ़ाई नहीं करती, सोच भी बदलती हैं। एक साथ मिलकर शहर के 17 पार्कों की सफ़ाई करना, कपड़े के थैले बाँटना, इनका हर कदम एक संदेश है। ऐसे प्रयासों की वजह से ही भोपाल भी अब स्वच्छ सर्वेक्षण में काफी आगे आ गया है। साथ ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि बुन्देलखंड में ऐसे कई किले हैं, ग्वालियर, झांसी, दतिया, अजयगढ़, गढ़कुंडार, चंदेरी। ये किले सिर्फ ईंट-पत्थर के नहीं हैं, ये हमारी संस्कृति के प्रतीक हैं। संस्कार और स्वाभिमान, आज भी इन किलों की ऊंची-ऊंची दीवारों से झांकते हैं। मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूँ कि इन किलों की यात्रा करें, अपने इतिहास को जानें, गौरव महसूस करें।

विधानसभा का मानसून सत्र आज से, अध्यक्ष ने सत्र की तैयारियों का लिया जायजा

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार, 28 जुलाई,2025 से आरंभ होकर 8 अगस्त 2025 तक चलेगा। आज विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने सत्र की तैयारियों का जायजा लिया एवं सत्र के सुचारू रूप से संचालन हेतु अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। प्रमुख सचिव श्री एपी सिंह के अनुसार इस बारह दिवसीय सत्र में सदन की कुल 10 बैठेकें होंगी। बजट सत्र की अधिसूचना जारी होने से अब तक विधानसभा सचिवालय में तारांकित पश्न 1718 एवं अतारांकित प्रश्न 1659 कुल 3377 प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हई हैं। जबकि ध्यानाकर्षण की 226,स्थगन प्रस्ताव की 01,अशासकीय संकल्प की 23,शून्यकाल की 65, नियम - 139 की 01 सूचनाएं प्राप्त हई हैं। शासकीय विधेयक भी 03 प्राप्त हुए हैं। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का यह षष्ठम सत्र होगा।

नया युद्ध सिद्धांत

अब संयम नहीं, आक्रामक जवाब देगा भारत

- भविष्य के खतरों से पहले ही निपटेगी अपनी सेना
- अब आतंकी हमले देश के खिलाफ माने जाएंगे युद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना आतंकवाद और नई तरह की चुनौतियों से निपटने के लिए 'नया युद्ध सिद्धांत' अपनाने की तैयारी में है। दरअसल, दशकों से सीमापार से प्रायोजित आतंकवाद से लड़ाई और हाल के ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबक इसका आधार बनेंगे। नए युद्ध सिद्धांत में दर्ज होगा कि

आतंकी हमले देश के खिलाफ युद्ध हैं। नॉन स्टेट एक्टर्स की आड़ में आतंक को 'स्टेट पॉलिसी' के तौर पर इस्तेमाल करने वालों से निपटने के लिए सैन्यबल 24 घंटे तैयार रहेंगे।

ऐसी आक्रामक रणनीति नई युद्ध नीति का आधार होगी। सैन्य मामलों का विभाग नए युद्ध सिद्धांत के तमाम पहलुओं पर काम कर रहा है। नए सिद्धांत में 'सामरिक संयम' की जगह 'प्रोएक्टिव डेटेरेंस', 'प्रिएम्टिव स्ट्राइक्स' और 'प्रिवेंटिव कार्रवाई' पर जोर रहेगा।

इनका मतलब है कि दुश्मन को पहले ही डराकर रोकना, खतरा दिखे तो हमला करना और भविष्य के खतरों से पहले ही निपटना। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की निगरानी में इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। शुरुआत में सेना ने एक फ्यूचर वॉरफेयर एनालिसिस ग्रुप बनाया है, जो युद्ध के तौर-तरीकों का अध्ययन करेगा। इस ग्रुप की सिफारिश पर नया ट्रेनिंग सिस्टम, सैन्य बलों के आधुनिकीकरण, खरीदारी और ऑपरेशनल प्लानिंग तय की जाएगी।

तेजप्रताप यादव का महुआ से चुनाव लड़ने का ऐलान

बोले- बिहार विधानसभा का चुनाव टीम तेज प्रताप लड़ेगी, पीली टोपी-गमछा लॉन्च किया

पटना (एजेंसी)। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने शनिवार को महुआ सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। तेजप्रताप यादव ने कहा कि टीम तेज प्रताप एक प्लेटफार्म है। हमारी टीम चुनाव में भी सभी को सपोर्ट करेगी, जो युवा पीढ़ी है, लड़ना चाहेगी। उन सबको सपोर्ट किया जाएगा। पूरी उम्मीद है कि

चाचा इस बार सीएम नहीं बनेंगे। जो युवा, शिक्षा, रोजगार स्वास्थ्य सेवा की बात करेगा वही सरकार बनाएगा। तेजप्रताप यादव ने कहा, महुआ से चुनाव लड़ेंगे यह हम पहले ही बोल चुके हैं। जो विरोधी हैं, उनको खुजली चालू हो गई है। ऐसे लोग गाल खुजलाते रहेंगे। महुआ से अभी आरजेडी के मुकेश कुमार विधायक हैं। उन्होंने 2020 के चुनाव में जेडीयू की आशमा परवीन को हराया था।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 35°c न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 28 जुलाई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

मध्यप्रदेश, गुजरात और राजस्थान में भारी बारिश

- कहर बनकर बरस रहे बदरा जनजीवन अस्त व्यस्त
- गौरीकुंड में लैंडस्लाइड, केदारनाथ का रास्ता हुआ बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने रविवार के लिए पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश और गुजरात में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं उत्तराखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र-कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण-गोवा, कर्नाटक, केरल, असम, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। शनिवार को रुद्रप्रयाग में रात भर से जारी बारिश के कारण 1600 से ज्यादा चारधाम तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया। बारिश के कारण पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थर गिर गए और गौरीकुंड के पास केदारनाथ जाने वाला मार्ग अवरुद्ध हो गया। अभी भी 700 तीर्थयात्रियों को निकालने की प्रक्रिया जारी है। इधर, ओडिशा सरकार ने शनिवार को बालासोर, भद्रक और जाजपुर के अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रखा है। कई नदियां उफान पर हैं, इसलिए निचले इलाकों से लोगों को निकालने को कहा गया है। जलाका और बैतरणी नदी का जलस्तर पहले ही खतरे के निशान को पार कर चुका है।

शिक्षण संस्थानों की सुरक्षा में बर्दाश्त नहीं होगी लापरवाही

- शिक्षा मंत्रालय ने राज्य सरकारों के लिए जारी किए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षा मंत्रालय ने शनिवार 26 जुलाई को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एक डायरेक्टिव जारी किया है। इसमें स्कूली बच्चों और युवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्पर उपाय और पैमाने तय करने के लिए कहा गया है। इसमें साफ कहा गया है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सभी शिक्षण संस्थानों और ऐसे स्थान जहां स्टूडेंट्स और युवा अक्सर जाते हैं, का समय-समय पर सेफ्टी ऑडिट करना होगा। शिक्षा मंत्रालय ने यह निर्देश भी जारी किया है कि इमरजेंसी की स्थिति में स्टूडेंट्स और युवाओं के लिए रिपोर्ट करने का मैकेनिज्म आसान और स्ट्रीम लाइंड हो। साथ ही उनकी शिकायतों पर जल्द से जल्द ऐक्शन लिया जाए। कोई भी खतरनाक एक्सीडेंट, एक्सीडेंट की संभावना या कोई ऐसी घटना जिससे आगे जाकर कोई एक्सीडेंट हो सकता है, उन्हें 24 घंटों के अंदर रिपोर्ट किया जाना चाहिए। जिन संस्थानों में ऐसा नहीं हो पाएगा, उनके खिलाफ सख्त ऐक्शन लिया जाएगा। साथ ही देरी या लापरवाही के मामलों में संस्थानों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्रालय ने इन निर्देशों में स्टूडेंट्स की न सिर्फ फिजिकल सेफ्टी बल्कि मेंटल सेफ्टी का ख्याल रखने के लिए कहा है। संस्थानों को यह निर्देश है कि स्टूडेंट्स की इमोशनल हेल्थ को सपोर्ट करें।

हरदा में ASP समेत तीन अफसरों को हटाया

राजपूत छात्रावास में युवाओं पर लाठीचार्ज के बाद सीएम का ऐक्शन, दो टीआई लाइन अटैच

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हरदा में करणी सेना परिवार के आंदोलन के दौरान राजपूत छात्रावास में पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज मामले में एक्शन लिया है। सीएम ने हरदा के एडिशनल एसपी, एसडीएम और एसडीओपी को हटा दिया है। सीएम ने कोतवाली टीआई और ट्रैफिक थाने के प्रभारी को नर्मदापुरम आईजी ऑफिस में अटैच किया है।

सीएम ने ट्वीट कर दी जानकारी–सीएम डॉ. मोहन यादव ने लिखा- हरदा जिले में 13 जुलाई को राजपूत छात्रावास में घटित प्रकरण की जांच के उपरांत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसडीएम एवं एसडीओपी को तत्काल प्रभाव से हरदा जिले से हटाया है। थाना प्रभारी, कोतवाली एवं थाना प्रभारी (ट्रैफिक) को नर्मदापुरम आईजी कार्यालय में अटैच किया है। समाज के छात्रावास में अनुचित बल प्रयोग एवं स्थिति को संवेदनशील रूप से निराकरण करने में की गई लापरवाही को लेकर यह एक्शन लिया गया है।

बृजभूषण सिंह के बाद सीएम योगी से मिले दोनों बेटे

- प्रतीक भूषण के कैबिनेट मंत्री बनने की चर्चा जोरों पर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में योगी कैबिनेट का विस्तार होना प्रस्तावित है। विस्तार को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही है, लेकिन अभी तक नहीं हो पाया है। मंत्री बनने वाले नेताओं का नाम समय-समय पर चलता रहता है। इसी बीच एक नया नाम तेजी से चलना लगा है। चर्चा है कि पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे प्रतीक भूषण को भी जगह मिल सकती है। प्रतीक भूषण गोंडा की सदर सीट से विधायक हैं। शनिवार को लखनऊ में जनप्रतिनिधियों की बैठक में आए प्रतीक भूषण और करन भूषण में सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इससे पहले कैसरगंज से पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। 31 महीनों बाद हुए इस मुलाकात को कई मायनों में बेहद अहम मना जा रहा है। बृजभूषण शरण सिंह ने बताया कि उन्हें मुख्यमंत्री ने बुलाया था, वो बुलावे पर उनसे मिलने गए हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पूर्व सांसद अपने बेटे को मंत्री बनाये जाने को लेकर हाथ-पैर मार रहे हैं। इसी के चलते वह इतने लंबे समय बाद सीएम योगी से मिलने पहुंचे।

आयुष्मान स्कूल मिशन अब पूरे देश में होगा लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देश के 26 करोड़ स्कूली बच्चों की मानसिक और शारीरिक सेहत स्कूल में ही जांचने जा रही है। आयुष्मान भारत स्कूल स्वास्थ्य मिशन का पहला ट्रायल त्रिपुरा में सफल रहा है। इसके तहत 30 पैरामीटर पर स्कूल में ही 18 साल तक के बच्चों की स्वास्थ्य मॉनिटरिंग की गई। इनमें चोट, हिंसा, बेइज्जती, असुरक्षित संबंध, मानसिक और भावनात्मक डिसऑर्डर, आक्रामकता, हड्डियों के विकार, दुबलापन–मोटापा, आंखों की रोशनी, त्वचा रोग, खून की कमी आदि की जांच–परख हुईं। इससे बच्चों की समय पर काउंसलिंग और मेडिकल जांचों की राह खुली। इसलिए अब इसे देशभर में लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है। हालांकि 34 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के 388 जिलों के 30 हजार स्कूलों में 1.50 करोड़ बच्चों पर भी ट्रायल चल रहे हैं। इसके परिणाम आने हैं। यह मिशन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय की संयुक्त पहल है, जिसे चरणबद्ध रूप से देशभर के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में लागू किया जाना है।

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़, 6 लोगों की मौत

- मंदिर से 25 सीढ़ी पहले हुआ हादसा, 29 लोग घायल
- चश्मदीद बोला-तार में करंट उतरा

हरिद्वार (एजेंसी)। हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह 9.15 बजे भगदड़ मच गई। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 29 लोग घायल हैं। यह मंदिर पहाड़ के ऊपर बना हुआ है और यहां पहुंचने के लिए करीब 800 सीढ़ियां चढ़नी होती हैं। एक चश्मदीद संतोष कुमार ने बताया कि मंदिर पहुंचने के लिए करीब 25 सीढ़ियां बची थीं, तभी हादसा हुआ। रविवार को भीड़ बहुत ज्यादा थी। इस बीच कुछ लोग वहां लगे तार को पकड़कर आगे बढ़े। इस दौरान कुछ तार छिल गए और उनमें करंट आ गया। इससे अफरा-तफरी मच गई और सीढ़ियों पर गिरने से लोग मारे गए। इधर, हरिद्वार पुलिस ने मंदिर में करंट फैलने की बात को अफवाह बताया। गढ़वाल डिवीजन के कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने कहा कि मंदिर में भारी भीड़ जुटने की वजह से हादसा हुआ। हरिद्वार एसपी प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने कहा- मनसा देवी मंदिर में भगदड़ में 35 लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी। इन्हें अस्पताल लाया गया, लेकिन 6 लोगों की मौत हो गई। बाकी का इलाज चल रहा है। मनसा देवी मंदिर हरिद्वार में शिवालिक पहाड़ियों पर बिल्व पर्वत पर स्थित है। यह हर की पौड़ी से लगभग 3 किमी दूर स्थित है।

मृतकों के परिवार को 2-2 लाख घायलों को 50-50 हजार मिलेंगे

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2–2 लाख और घायलों को 50–50 हजार रुपये की मदद देने का ऐलान किया है। धामी ने एक्स हैंडल पर लिखा है– हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुए हृदय विदारक हादसे में 6 लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगतों की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। प्रदेश सरकार द्वारा मृतकों के परिजनों को 2–2 लाख रुपये एवं घायलों को 50–50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही घटना के मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश भी दिए हैं। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने भी इस हादसे पर दुख जाहिर किया। पीएमओ ने नरेंद्र मोदी के हवाले से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुई भगदड़ में हुई जान–माल की हानि से अत्यंत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना। ईश्वर करे कि घायल शीघ्र स्वस्थ हों। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी हादसे पर दुख जताया है।

अब सभी स्कूलों में पढ़ाया जाएगा 'ऑपरेशन सिंदूर'

- सिलेबस के लिए खास तैयारी कर रहा एनसीईआरटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सुरक्षा बलों के शौर्य की दास्तान ऑपरेशन सिंदूर के बारे में अब किताबों में भी पढ़ाया जाएगा। छात्रों को भारत की रक्षा रणनीति और कूटनीतिक प्रतिक्रिया के बारे में जानने में मदद करने के लिए एनसीआरटी इसकी तैयारी कर रही है। इस ऑपरेशन को कक्षा 3 से 12 तक के सिलेबस में शामिल करने के लिए स्पेशल मॉड्यूल पर काम किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक इस मॉड्यूल के दो भाग होंगे, जिनमें एक कक्षा तीन से आठ तक के छात्र–छात्राओं के लिए होगा। वहीं दूसरा मॉड्यूल कक्षा नौ से 12 तक के लिए होगा। रिपोर्ट के मुताबिक एक सूत्र ने बताया कि एनसीआरटी द्वारा विशेष रूप से तैयार किए जा रहे इस मॉड्यूल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की रणनीतिक सैन्य प्रतिक्रिया को लेकर 10 पेज होंगे। सूत्र के मुताबिक इसका उद्देश्य छात्रों को यह समझाना है कि राष्ट्र आतंकवादी खतरों पर किस प्रकार प्रतिक्रिया देते हैं तथा रक्षा, कूटनीति और मंत्रालयों के बीच समन्वय राष्ट्रीय सुरक्षा में किस प्रकार भूमिका निभाते हैं। यह मॉड्यूल दो भागों में लाया जाएगा। पहला भाग कक्षा 3 से 8वीं के लिए और दूसरा भाग कक्षा 9 से 12वीं के लिए लाया जा सकता है। ये मॉड्यूल 8 से 10 पेजों का होगा जिसमें बताया जाएगा कि पहलगाम टेरर अटैक के लिए भारत का स्ट्रेटिजिक मिलिट्री रिस्पॉन्स क्या रहा। इसका मकसद स्कूली स्टूडेंट्स को समझाना है।

कुर्सी पर लटकी तलवार, शनिदेव की शरण में पहुंचे मंत्री

महाराष्ट्र में फडणवीस कैबिनेट में बड़े बदलाव की है तैयारी!

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस क्या अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल करेंगे। जी हां महाराष्ट्र में बीजेपी नेता और मंत्री गिरीश महाजन के करीब प्रफुल लोढ़ा की हनीट्रैप स्कैंडल में गिरफ्तारी के साथ महायुति के सहयोगी दलों से मंत्रियों के विवाद में आने के बाद ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि एनसीपी के कोटे से कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे, शिवसेना से मंत्री संजय शिरसाट और योगेश कदम की कुर्सी जा सकती है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दिल्ली दौरे के बीच जब राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले से पूछा गया तो उन्होंने सीएम फडणवीस के पाले में गेंद डाल दी। उन्होंने कि सहयोगियों के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का विवेक सर्वोच्च है। ऐसे में चर्चा है कि फडणवीस लोकल बॉडी इलेक्शन से पहले कुछ मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखा सकते हैं।

मालदीव में पीएम मोदी का जलवा देख चिढ़ गया चीन

मुइज्जू के भारत प्रेम से छटपटा रहा ड्रैगन, लेख से निकाली भड़ास

माले/बीजिंग (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी के मालदीव दौरे और माले में उनके ऐतिहासिक स्वागत को देखकर चीन को मिर्ची लग गई है। चीन के सरकारी मीडिया आउटलेट ग्लोबल टाइम्स में लिखे लेख में पीएम मोदी के भारतीय दौरे को लेकर चीनियों की छटपटाहट साफ दिखाई दे रही है। चीनी सरकार के भोंपू ने पीएम मोदी की यात्रा को मिले मीडिया कवरेज को लेकर अपनी भड़ास निकाली है और इसकी आलोचना की। पीएम मोदी मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। साल 2023 में मोहम्मद मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मालदीव का दौरा करने वाले पहले विदेशी नेता है। इंडिया आउट अभियान चलाकर राष्ट्रपति की कुर्सी पर पहुंचे मुइज्जू सत्ता पाते ही भारत से दूर करके चीन की तरफ ले जा रहे थे।

उद्धव ठाकरे के जन्मदिन पर राज ने दिया सरप्राइज

- 6 साल बाद अचानक पहुंचे मातोश्री, कहा-हैप्पी बर्थडे
- 22 दिन पहले एक मंच पर थे, ऐसा 20 साल बाद हुआ

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) चीफ राज ठाकरे रविवार को 6 साल बाद उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री पहुंचे। इस दौरान राज ने शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे को गले लगाया और बुके देकर जन्मदिन की बधाई दी। इससे पहले आखिरी बार 6 साल पहले 2019 में राज ठाकरे मातोश्री गए थे। उन्होंने उद्धव परिवार को अपने बेटे अमित की शादी में आने का न्योता दिया था। वहीं, औपचारिक रूप से राज 2012 में मातोश्री गए थे। उस समय बालासाहेब ठाकरे बीमार थे। 5 जुलाई को 20 साल बाद उद्धव और राज मुंबई के वर्ली डोम में एक रैली के दौरान साथ नजर आए थे। इस मौके पर दोनों की तरफ से आगे साथ मिलकर राजनीति करने के संकेत दिए गए थे। उद्धव को शिवसेना का मुखिया बनाने के बाद राज ने अलग पार्टी एमएनएस बनाई थी। तब दोनों के रिश्ते अच्छे नहीं थे। महाराष्ट्र की राजनीति में एक सियासी तूफान मचाने वाली तस्वीर देखने को मिली। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे रविवार को अचानक बांद्रा स्थित मातोश्री आवास पहुंचे और उद्धव ठाकरे को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे वर्ली में मराठी विजय रैली में एक साथ आए थे। उसके बाद ऐसा लगने लगा था कि मनसे-ठाकरे गुट के बीच गठबंधन की बातें हवा में उड़ गई हैं। लेकिन, राज ठाकरे ने रविवार को करीब 6 वर्षों के बाद मातोश्री आकर उद्धव ठाकरे को जन्मदिन की शुभकामनाएं देकर सबको चौंका दिया। सियासी गलियारों में किसी ने ऐसा नहीं सोचा था।

तिरंगे में आया शहीद का शव, लिपटकर रोई मां

मेरठ (एजेंसी)। पुंछ ब्लास्ट में शहीद हुए मेरठ के अग्निवीर ललित का पार्थिव शरीर रविवार को उनके पैतृक गांव पस्तरा पहुंचा। शहीद के अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। जब तक सूरज चांद रहेगा ललित तेरा नाम रहेगा .. के नारे और भारत मां के जयकारों से पूरा गांव गूंज उठा। शहीद का पार्थिव शरीर आज सुबह करीब 10 बजे जैसे ही गांव पहुंचा, लोगों की आंखें नम हो गईं। परिजनों की चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया। मां बेटे के शव से लिपटकर रोने लगी। इसके बाद सैन्य सम्मान के साथ ललित के शव का गांव में अंतिम संस्कार किया गया। ललित कुमार 25 जुलाई को जम्मू–कश्मीर के पुंछ में शहीद हो गए। वह जम्मू–कश्मीर में जाट रेजीमेंट में तैनात थे। अग्निवीर की मां सरोज बाला बताती हैं– बेटे ने जब सेना का फॉर्म भरा तो किसी को नहीं बताया। उसका चयन हुआ तो वह मेरे पास आया। मुझसे बोला– अम्मा मेरा आर्मी में जाने का सपना पूरा हो गया।

इंदौर में 100 चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लगेंगे, नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

इंदौर। यातायात व्यवस्था को सशक्त, वैज्ञानिक और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन, ई-चालान की प्रभावशीलता और यातायात नियमों के कड़ाई से पालन से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

इस बैठक में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, स्मार्ट सिटी सीईओ दिव्यांक सिंह, इंदौर विकास प्राधिकरण के सीईओ आरपी अहिरवार, यातायात पुलिस, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम एवं अन्य संबद्ध विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में शहर के 39 चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लगे हैं। अब इस संख्या को बढ़ाकर 100 किया जाएगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि नए सिग्नलों की स्थापना के लिए शीघ्र टेंडर आमंत्रित किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि पुराने व बार-बार खराब होने वाले सिग्नलों को हटाकर नए तकनीकी सिग्नल लगाए जाएं। इन सिग्नलों की सतत कार्यशीलता सुनिश्चित करने के लिए सौर ऊर्जा या बैटरी बैकअप जैसी वैकल्पिक विद्युत आपूर्ति व्यवस्था भी की जाए।

सिग्नल टाइमिंग वैज्ञानिक तरीके से होगी

कलेक्टर सिंह ने निर्देशित किया कि शहर के प्रत्येक चौराहे पर ट्रैफिक दबाव के आधार पर सिग्नलों की टाइमिंग निर्धारित की जाए। यह निर्णय यातायात की सुगमता,दुर्घटनाओं में कमी और वाहन चालकों की सुविधा के दृष्टिकोण से लिया गया है। बैठक में बताया गया कि ऐसे 29 वाहन, जिनके विरुद्ध 10 से अधिक बार यातायात नियम उल्लंघन के मामले दर्ज हैं, उनके पंजीयन निरस्त किए गए हैं और अब उन्हें जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि आगामी समय में 5 से अधिक उल्लंघन पर भी पंजीयन निरस्त किए जाएंगे।

ई-चालान व्यवस्था होगी और सुदृढ़

कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि ई-चालान वसूली की व्यवस्था को नए सिरे से और अधिक प्रभावशाली बनाया जाए। इसके तहत अब चालान की राशि अगले प्रमुख चौराहे पर वसूली जाये। प्रारंभ में दो से तीन चौराहों पर यह व्यवस्था पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू की जाएगी, जिसे बाद में शहरभर में विस्तारित किया जाएगा।

राजवाड़ा क्षेत्र में ई-रिक्शा प्रतिबंधित

ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने के लिए यातायात पुलिस को सुव्यवस्थित संचालन हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से राजबाड़ा क्षेत्र में प्रतिबंध का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये गए।

अवैध बस स्टैंडों पर कार्रवाई

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अवैध रूप से संचालित बस स्टैंडों पर अगले 7 दिनों में विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। किसी भी बस को अवैध रूप से सड़क किनारे यात्रियों को बैठाने की अनुमति नहीं होगी और ऐसे वाहनों को वैकल्पिक निर्धारित स्थल पर स्थानांतरित किया जाएगा।

बिना अनुमति स्पीड ब्रेकर बनाने पर होगी कार्रवाई

कलेक्टर आशीष सिंह ने सभी निर्माण एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा समिति की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी स्पीड ब्रेकर नहीं बनाया जाए। यदि ऐसा पाया गया तो संबंधित इंजीनियर पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और देयकों के भुगतान को आर्थिक अनियमितता की श्रेणी में लिया जाएगा।

यातायात पुलिस की सक्रियता

कलेक्टर ने यह भी कहा कि ट्रैफिक जवानों की सक्रिय उपस्थिति हर चौराहे पर सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही लेफ्ट टर्न सुधार कार्यों में तेजी लाने और चिन्हित 'ब्लैक स्पॉट्स' पर त्वरित सुधारात्मक कार्य शुरू करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि यातायात व्यवस्था में तकनीकी दक्षता लाने के लिए नगर निगम, स्मार्ट सिटी और अन्य एजेंसियों विशेषज्ञों की मदद लें और संसाधनों में वृद्धि करें।

सर्विलांस पर उसके मोबाइल को ट्रेस कर लिया गया

4.80 करोड़ का सोना लेकर भागे ड्राइवर को अहमदाबाद में खोजा

इंदौर। स्वर्ण आभूषणों के अहमदाबाद के व्यापारी धर्मेंद्र भाई का रू. 4.80 करोड़ का सोना लेकर फरार हुए ड्राइवर मसरू रबारी कहां है यह खोज लिया गया। वह अहमदाबाद में छिपा है। फोन लोकेशन के आधार पर इंदौर क्राइम ब्रांच की टीम गुजरात पहुंच गई। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। टीम जल्द ही मशरू रबारी को पकड़कर इंदौर लेकर आएगी।

कारोबारी के ड्राइवर ने 17 दिन पहले वारदात की थी। तीन दिन पहले रिपोर्ट दर्ज कराई गई। इसके बाद इंदौर क्राइम ब्रांच एक्टिव हुई और ड्राइवर के मोबाइल नंबर को सर्विलांस पर लिया। मशरू ने अपने रिश्तेदार से बात की, जिससे उनकी लोकेशन ट्रेस हो गई। संभावना है कि मशरू बस से अहमदाबाद तक पहुंचा। वह बनासकांठा (गुजरात) का वासी है। सौरभ शेविंग कराने गया था। शेविंग कराते हुए भी वह मशरू पर नजर रख रहा था। इस बीच सौरभ का ध्यान भटका और मशरू दोनों बैग उठाकर ऑटो में बैठा और फरार हो गया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ऑटो ड्राइवर तक पहुंच गई और उससे मशरू की आखिरी लोकेशन पूछ ली। इसके बाद सर्चिंग शुरू हो गई।

व्यापारी धर्मेंद्र भाई की अहमदाबाद में 'अंकित गोल्ड ज्वेलरी' नाम से दुकान है। वे सोने-चांदी के थोक विक्रेता हैं और छोटे व्यापारियों को जेवरात बेचते हैं। 8 जुलाई को ड्राइवर मशरू रबारी के साथ उनका एक अन्य कर्मचारी सौरभ 4 किलो 800 ग्राम सोने के जेवर लेकर अहमदाबाद से निकला था। सौरभ ने रास्ते में लुनावाड़ा और संतरामपुर में व्यापारियों को माल दिखाया और फिर झाबुआ होते हुए देर शाम इंदौर पहुंचे। रात होने के कारण सौरभ ने इंदौर में गंगवाल बस स्टैंड के पास स्थित होटल शिवानी में रात रुकने का फैसला किया। होटल के सामने कार खड़ी करवाकर वह शेविंग कराने चला गया। कार में जेवर थे, इसलिए ड्राइवर को कार के पास रुकने को कहा।

सौरभ जब शेविंग करके लौटा, तो उसे ड्राइवर कहीं दिखाई नहीं दिया। कार में बैग भी नहीं था। सीसीटीवी फुटेज सामने आने पर पता चला कि ड्राइवर कार से बैग लेकर गया है।

ड्राइवर के गायब होने की सूचना कर्मचारी सौरभ ने तुरंत मालिक धर्मेंद्र भाई को दी। इसके बाद व्यापारी ने स्थानीय पुलिस को जानकारी दी। करीब 12 दिन तक अपने स्तर पर तलाश करने के बाद मंगलवार को व्यापारी क्राइम ब्रांच पहुंचे और केस दर्ज कराया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी ड्राइवर मशरू रबारी के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर लिया है। क्राइम ब्रांच की टीम फुटेज और ड्राइवर के फोटो के आधार पर उसकी तलाश में जुट गई। पुलिस को शुरू में ही कुछ सुराग मिल गए थे।

संगीत से दी नशे से दूरी की जागरूकता

इंदौर। नशे से दूरी है जरूरी को लेकर पुलिस द्वारा वृहद स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एमआईजी चौराहा पर संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जागरूकता का संदेश दिया। अभियान अंतर्गत मैराथन दौड़, विभिन्न क्षेत्रों में रैली का आयोजन किया जा रहा है। स्कूल-कॉलेज में सेमिनार रखे जा रहे हैं। रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता तथा सोशल मीडिया रेडियो स्टेशन एवं सिनेमाघर में भी प्रचार किया जा रहा है। संगीत कार्यक्रम में एएसआई शेखर पवार ने नशे से दूरी के संबंध में गीत प्रस्तुत किए। मौजूद युवा पीढ़ी एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने कार्यक्रम की सराहना के बाद नशे से दूर रहने की शपथ ली। इस अवसर पर थाना प्रभारी सी.बी.सिंह, उप निरीक्षक प्रहलाद सिंह चौहान, उप निरीक्षक राहुल डाबर तथा अन्य स्टाफ की मौजूद थे।

भाजपा नेता के बेटे ने पुलिस वाले पर बाइक चढ़ाई

इंदौर। भाजपा नेता कमाल खान के बेटे माज ने तेज गति से कार चलाकर सामने से आ रहे पुलिसकर्मी को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से पुलिसकर्मी बाइक सहित गिर गया। इसी दौरान भीड़ इकट्ठा हो गई। तत्काल क्राइम ब्रांच के जवान मौके पर पहुंचे और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक, आरोपी धेनु मार्केट वाली रोड से नेहरू पार्क तरफ जा रहा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि वह महिला साथी के साथ ड्रग्स की डिलीवरी देने जा रहा है। तत्काल पुलिस ने उसका पीछा किया और पकड़ लिया। कार में महिला भी थी। पुलिस ने कार चेक की तो उसने 50 ग्राम ड्रग्स मिलना बताया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ड्रग्स सप्लाय करने जा रहा था। जब उसे पकड़ा तो वह पिता के नेता होने का दबाव बनाने लगा, लेकिन पुलिस के सामने उसका दबाव काम नहीं आया। बता दें, माज के भाई पर भी कई केस पुलिस थाने में दर्ज है। हालांकि, क्राइम ब्रांच ने आरोपी को पकड़े जाने की पुष्टि नहीं की है।

ई-रिक्शा पर प्रतिबंध का पालन सख्ती से

ई-इंदौर। रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने यातायात पुलिस को सुव्यवस्थित संचालन के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। राजबाड़ा क्षेत्र में प्रतिबंध का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। अवैध रूप से संचालित बस स्टेंडों पर 7 दिनों में अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। किसी भी बस को अवैध रूप से सड़क किनारे यात्रियों को बैठाने की अनुमति नहीं होगी। ऐसे वाहनों को वैकल्पिक निर्धारित स्थल पर स्थानांतरित किया जाएगा।

बिना अनुमति स्पीड ब्रेकर नहीं – कलेक्टर ने सभी निर्माण एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा समिति की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी स्पीड ब्रेकर नहीं बनाया जाए। यदि ऐसा पाया गया तो संबंधित इंजीनियर पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और देयकों के भुगतान को आर्थिक अनियमितता की श्रेणी में लिया जाएगा।

भौंरासला स्कूल देर से खुला, सीईओ नाराज

इंदौर। स्कूल शिक्षा विभाग जहां समय पर स्कूल संचालन और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक गतिविधियों पर जोर दे रहा है, वहीं जिले के भौंरासला गांव स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार सुबह स्कूल समय पर नहीं खुला। स्कूल की प्राचार्य अनीता क्लाउड के समय पर नहीं पहुंचने के कारण स्कूल का ताला करीब आधे घंटे तक नहीं खुल पाया। सुबह 10:30 बजे तय समय पर जब बच्चे, अभिभावक और शिक्षक पहुंचे, तब स्कूल के दरवाजे बंद मिले। देरी की सूचना जैसे ही अधिकारियों को मिली, जिला पंचायत सीईओ एवं डीसी संजय कुमार मिश्र ने नाराजगी जताई और प्राचार्य व एक अन्य शिक्षक को शोकॉज नोटिस जारी किया। स्कूल में कुल 8 शिक्षक पदस्थ हैं, जिनमें से 2 शिक्षक विभागीय ड्यूटी पर थे। 4 शिक्षक स्कूल परिसर में ताला खुलने का इंतजार कर रहे थे, जबकि 2 शिक्षक और प्राचार्य सहित देरी से पहुंचे। प्राचार्य का कहना है कि बारिश के कारण रास्ते में रुकावट आई, जिससे देर हुई।

खजराना गणेश को इस बार चतुर्थी पर 1.51 लाख मोदक का भोग

पूजन-अभिषेक की ऑनलाइन व्यवस्था, ऐप व पोर्टल बनेगा

इंदौर। खजराना गणेश मंदिर में कई रसूखदार और विधायक पुत्र बगैर अनुमति गर्भ गृह में प्रवेश करते हैं, जिससे पुजारी और प्रबंधन परेशान हैं। लेकिन, सत्ता मद सर पर सवार है। ऐसी स्थिति में कलेक्टर आशीष सिंह मंदिर प्रबंधन समिति और हाई कोर्ट द्वारा आदेशित मंदिर विधान का उल्लंघन करने वालों को संदेश दिया है कि नियमों का उल्लंघन नहीं होना चाहिए।

शुक्रवार को जब वे गणेश चतुर्थी पर्व की तैयारियों की समीक्षा करने पहुंचे तो उन्होंने अनाधिकृत रूप से खजराना गणेश मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करने वालो यह संदेश दिया है, वे पूजा अर्चना गर्भगृह के बाहर करें जैसा की आम भक्त करते है। उन्होंने रजत गणेश का अभिषेक मंदिर बाहर कर दर्शन किए। कलेक्टर सिंह ने बताया कि इंदौर के प्रसिद्ध श्री खजराना गणेश मंदिर में 10 दिवसीय गणेश महोत्सव के दौरान मंदिर में फूलों और विद्युत से आकर्षक सजावट की जायेगी। श्रद्धालुओं के लिए अनेक विशेष सुविधाएं रहेंगी। भगवान गणेश जी के समक्ष एक लाख 51 हजार मोदकों का भोग लगाया जायेगा। यह भोग श्रद्धालुओं को वितरित होगा।

खजराना मंदिर का एप बनेगा – बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिये कि श्रद्धालुओं की सुविधाओं को प्रमुखता देते हुए सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय से पहले पूरी की जाये। श्रद्धालुओं की सुविधाओं और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाये। गणेश महोत्सव 27 अगस्त से प्रारंभ होगा। सुबह ध्वजा पूजन के साथ प्रारंभ होगा। इस दौरान बताया गया कि श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए ऑनलाइन पूजन एवं अभिषेक की व्यवस्था की जायेगी। इसके लिए मोबाइल ऐप और पोर्टल बनाया जायेगा। इस संबंध में इच्छुक संस्थाओं से प्रस्ताव बुलाये जा रहे हैं।

फोटो और सेल्फी से प्रभाव – बैठक के दौरान आरती व्यवस्था को सुगम बनाने का मुद्दा भी उठा, जिसमें रजत गणेश प्रतिमा के पास भक्तों द्वारा सेल्फी और फोटो लिए जाने के कारण आरती में भीड़ और दर्शन व्यवस्था प्रभावित होने की बात कहीं गई। जनप्रतिनिधियों और पुजारियों ने कहा कि मंदिर परिसर में सेल्फी पाइंट बनाया जाए, और गणेश मंदिर गर्भगृह और उसके बाहर फोटो एवं सेल्फी लेने पर रोक लगाई जाए। आशीष सिंह, कलेक्टर गणेश उत्सव में भक्तों के उत्साह को देखते हुए राष्ट्रीय विख्यात भजन गायक की भजन संध्या के आयोजन किया जाएगा, कलाकार के नाम पर विचार किया जा रहा है। दर्शन व्यवस्था में सुधार पर सुझाव प्राप्त हुए है, मंदिर विधान का पालन भी करना होगा।

तीन बार टेंडर बुलाने के बावजूद ठेकेदार नहीं आ रहे

बीआरटीएस तोड़ने में ठेकेदारों की रुचि नहीं, सिर्फ एक टेंडर मिला!

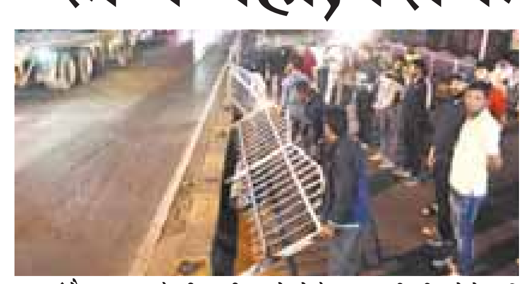

इंदौर। सरकार के बीआरटीएस तोड़ने के फैसले के बावजूद अभी तक इसे हटाया नहीं जा सका है। निरंजनपुर चौराहा से लेकर राजीव गांधी प्रतिमा चौराहा तक बना बीआरटीएस का 12.5 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर अभी टूटने का इंतजार कर रहा है। समय बढ़ाने के बाद भी नगर निगम को केवल एक टेंडर मिला। टेंडर की समयसीमा बढ़ाए जाने के बावजूद कोई और ठेकेदार इस काम को करने के लिए आगे नहीं आया।

सरकार इस कॉरिडोर को तोडक़र बस के लिए अलग से बनाई गई लेन को समाप्त करने का फैसला ले चुकी है। सरकार के इस फैसले पर मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की भी मुहर लग चुकी है। इसके बाद भी इस काम को करने के लिए कोई ठेकेदार तैयार नहीं हो रहा। इसके चलते इस कॉरिडोर को तोड़ने का काम अभी तक शुरू नहीं हो सका।

इंदौर में 300 करोड़ की लागत से बने बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस) को हटाने का काम 4 महीने बाद भी शुरू नहीं हो सका पहले चरण में जीपीओ से शिवाजी वाटिका तक हटाई जाना थी। बीआरटीएस को लेकर दो जनहित याचिकाएं हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में लगी थी। दोनों याचिकाओं को हाईकोर्ट की मुख्य पीठ ट्रांसफर किया, इसके बाद जबलपुर हाईकोर्ट ने बीआरटीएस हटाने का आदेश दिया।

जीपीओ से लेकर शिवाजी वाटिका तक बीआरटीएस हटाने का काम शुरू भी हो गया। निगम की रिमूवल टीम ने रेलिंग को उखाड़ दिया। नगर निगम ने तय किया है कि जहां ट्रैफिक का दबाव है, वहां रेलिंग हटाने का काम पहले किया जाएगा। इस फैसले के बाद 1 मार्च को प्रतीकात्मक रूप से जीपीओ के पास बीआरटीएस हटाया भी गया। यह काम नगर निगम ने किया, पर इस काम के लिए कोई ठेकेदार सामने नहीं आ रहा।

नगर निगम ने यह अपेक्षा की थी, कि जो भी ठेकेदार इस कॉरिडोर को तोड़ेगा उसे नगर निगम 3 करोड़ रुपए देगा। इस कॉरिडोर में बस की लाइन के दोनों तरफ सडक़ पर भी बीम बने हुए हैं। इन बीम के ऊपर लोहे की जालियां लगी हैं। यह लोहा बिक्री योग्य होता है। इसके साथ ही इस कॉरिडोर में जगह-जगह बस स्टॉप भी बने हुए हैं। उनमें से भी पर्याप्त मात्रा में लोहा निकलना है। ऐसे में नगर निगम द्वारा यह उम्मीद की जा रही थी कि लोहे से पर्याप्त कमाई होने के कारण ठेकेदार उत्साह के साथ इस काम को लेंगे।

नगर निगम की इस धारणा पर पानी फिर चुका है। नगर निगम द्वारा 3 टेंडर जारी कर दिए जाने के बावजूद कोई भी ठेकेदार इस काम को करने के लिए तैयार नहीं हुआ। इसके परिणाम स्वरूप नगर निगम को अपने टेंडर की शर्तें बदलना पड़ीं। निगम द्वारा ठेकेदार को अब यह सुविधा दी गई है कि वह दी जाने वाली राशि को चार बार में दे सकता है। यह सुविधा देने के बाद भी ठेकेदारों द्वारा इस काम को अंजाम देने में रुचि नहीं ली गई है। इस बार में नगर निगम के पास कुल जमा एक टेंडर आया है। निगम द्वारा और अधिक टेंडर आने की उम्मीद से इस टेंडर की अवधि को 5 दिन के लिए बढ़ा भी दिया गया, लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकला।

नगर निगम के जनकार्य विभाग के प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि सोमवार को निगम अधिकारियों द्वारा इस एकमात्र टेंडर का टेक्निकल वैल्यूएशन किया जाएगा। जब यह टेक्निकल वैल्यूएशन पूरा हो जाएगा तो उसके बाद इसकी फाइनेंशियल बीड खोली जाएगी। फिर नगर निगम द्वारा इस बारे में फैसला लिया जाएगा कि इस सिंगल टेंडर को मंजूर किया जाए या फिर से नए सिरे से टेंडर बुलवाया जाए।

डॉ. नीहार गीते के लघुकथा संग्रह का विमोचन

इंदौर। 'आईसेक्ट' भोपाल द्वारा प्रकाशित, डॉ. नीहार गीते के लघुकथा संग्रह 'सरकार कब आएंगे' के विमोचन अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे साहित्य अकादमी भोपाल के निर्देशक डॉ. विकास दबे ने कहा कि लघुकथा सूक्ष्म से विस्तार लेती है, एक गंभीर सोच को मारक बना प्रस्तुत करती है। डॉ. नीहार गीते ने इस पुस्तक में चुनचुनकर विषय लिए हैं जो समसामयिक हैं और जीवन की गहरी समझ लिए हैं। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि, रमन विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अरुण जोशी ने कहा कि नीहार गीते की लघुकथाओं में सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत संघर्षों का सूक्ष्म विश्लेषण मिलता है।

पुस्तक पर चर्चा करते हुए विशेष अतिथि डॉ. संगीता पाठक ने कहा, नीहार जी ने जीवन की विभिन्न स्थितियों को गहराई से समझा है। उनकी रचनाओं में नैतिक एवं शैक्षणिक मूल्यों का समावेश है। 'सरकार कब आएंगे' एक ऐसा लघुकथा संग्रह है जो आधुनिक जीवन और राजनीतिक ताने-बाने को गहराई से समझने और पाठकों के सामने प्रस्तुत करने का सटीक प्रयास है। पुस्तक समाजशास्त्र, राजनीति और मानव व्यवहार के शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी है, कहना है, लघुकथा शोध केंद्र, भोपाल की निर्देशक डॉ. कांता रॉय का अपने शुभकामना संदेश में।

पुस्तक की रचना प्रक्रिया पर बोलते हुए लेखिका एवं गुजराती कन्या महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ. नीहार गीते ने कहा कि, लघुकथा लिखने में संवेदनशीलता ऐसी हो कि दूसरे की पीड़ा से आंसू निकल आएं। ये आंसू ही लघुकथा है। जो दिल में बोई जाती है, दिमाग में उपजती है, तत्काल ना परसी जाए तो ठंडी पड़ जाती है। कार्यक्रम के अंत में क्षेत्रीय प्रबंधक अभिजीत चौबे ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक महीप निगम ने किया।

पत्नी प्रताड़ित कारोबारी ने फांसी लगाई

इंदौर। पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर रेडीमेड कारोबारी ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। खुदकुशी के पहले उसने वीडियो भी बनाया था। हीरानगर थाना क्षेत्र के गणेश नगर में रहने वाले मिथुन पिता गंगाराम का रेडीमेड कपड़े बनाने का कारोबार था। मृतक की मां राजकुमारी ने उसकी पत्नी पर आरोप लगाते हुए बताया कि मिथुन पत्नी से परेशान था। उसकी पत्नी ने बेटी से छेड़छाड़ का आरोप लगाकर पति मिथुन को ढाई साल के लिए जेल भिजवा दिया था। जेल में उसे लकवे की बीमारी हो गई थी। जब जेल से जमानत पर छूटकर आया तो फिर कुछ दिन बाद नया केस लगाकर फिर 10 दिन के लिए जेल भिजवा दिया। पिछले दिनों मिथुन के कारखाने में आग लगी तो भी पत्नी ने उस पर आग लगाने के आरोप लगाए। पत्नी ने मिथुन की पुलिसकर्मियों से पिटाई भी कराई थी। पत्नी की इन्ही हरकतों से परेशान होकर मिथुन ने उक्त कदम उठाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। इसी प्रकार, विनोबा नगर में रहने वाले नीलेश पिता घनश्याम ने पत्नी के वियोग में फांसी लगाकर जान दे दी। एक साल पहले ही उसकी शादी हुई थी। हाल ही में विवाद के चलते पत्नी उसे छोड़कर मायके चली गई थी, जिसके बाद से वह तनाव में था। पलासिया पुलिस मामले में मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

संपादकीय

स्कूल हादसा : कोई सबक लेगा?

राजस्थान के झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव के सरकारी स्कूल की इमारत के ढह जाने से वहां पढ़ रहे 7 मासूम बच्चों की मौत और 28 के घायल होने की घटना पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। इस हादसे ने देश में सरकारी स्कूलों की बदहाली को फिर से उजागर कर दिया है। सवाल यह भी उठ रहा है कि अगर बच्चा स्कूल भवन में भी सुरक्षित नहीं है तो मां बाप ऐसे सरकारी स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ने के लिए क्यों भेजें? इस दर्दनाक हादसे में जिस 7 बच्चों के सपने पूरे होने से पहले ही मर गए और जिन अभिभावकों ने उन्हें बेहतर भविष्य की आस में स्कूल भेजा, उनके आंसुओं को कौन पोंछेगा? हालांकि राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि हादसे की नैतिक जिम्मेदारी मेरी है। घटना की विस्तृत जांच के आदेश दिए जा चुके हैं। जो भी जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित परिवारों को दस लाख रू. की सहायता और स्वजनों को संविदा पर सरकारी नौकरी का ऐलान किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार के पास पहले से तैयार की गई जर्जर स्कूलों की लिस्ट थी, लेकिन उसमें यह स्कूल शामिल नहीं था। इसी चूक की वजह से यह हादसा हुआ। उधर स्कूल प्रशासन का कहना है कि डेढ़ साल पहले डांग क्षेत्रीय विकास योजना के तहत स्कूल की एक लाख रुपये खर्च कर मरम्मत करवाई गई थी। हादसे वाले कमरे में आरसीसी छत नहीं थी, बल्कि लकड़ी की पट्टियों वाली छत थी जो एक पट्टी गिरते ही भरभराकर नीचे आ गई। इस हादसे के बाद राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निर्देश दिया है कि राज्य के सभी जर्जर स्कूल भवनों और सरकारी संस्थानों की प्राथमिकता से मरम्मत कराई जाए। अब विधायक सीधे अपनी निधि से भी इस काम के लिए पैसा दे सकेंगे। मुख्यमंत्री ने उच्च स्तरीय समिति गठित कर पांच दिन में हादसे की रिपोर्ट मांगी है। हालांकि यह भी बताया जा रहा है कि आरंभिक जांच रिपोर्ट में प्रशासन ने हादसे की जिम्मेदारी से यह कहकर पल्ला झाड़ लिया है कि भवन निर्माण ग्राम पंचायत ने करवाया था। उधर केन्द्र सरकार ने सभी राज्यों से कहा है कि वो अपने यहां सरकारी स्कूलों के जर्जर भवनों का तत्काल सर्वे करवाकर उसकी मरम्मत कराएं। इस बीच इस भयंकर हादसे से स्तब्ध पिपलोदी गांव गहरे शोक में डूबा है। इनमें छोटूलाल उन बदनसीबो में है, जिसके दोनों बच्चे इस हादसे मे चले गए। उन बच्चों की मां का रो रोकर बुरा हाल है। उसे सांत्वना देने की हिम्मत किसी में नहीं है। उसके सवालों का जवाब कौन और किस मुंह से देगा। भारत में शिक्षा का पहले ही बुरा हाल है और उसमे भी सरकारी स्कूल की बदहाली के बारे में क्या कहा जाए? अव्वल तो स्कूल ही नहीं हैं, हैं तो स्कूल भवन नहीं है, भवन हैं तो शिक्षक नहीं है, ज्यादातर भवनों की हालत इतनी जर्जर है कि हर वक्त जान पर खेल बच्चे स्कूल जाते हैं और जो भी शिक्षक हैं,वो उन्हें पढ़ाते हैं। पिपलोदी का भवन तो कुछ साल पहले ही बना था। इससे साफ जाहिर है कि उसके निर्माण में कितना भ्रष्टाचार हुआ होगा। अब ज्यादातर भवन 15 बीस साल से ज्यादा नहीं चलते ताकि आगे भी पुनर्निर्माण और मरम्मत के लिए बजट आता रहे और कमीशन मिलता रहे। यह कहानी अकेले राजस्थान की नहीं है परे देश की है। कोई हादसा होता है तो तात्कालिक लीपा पोती की जाती है। स्थायी इलाज नहीं होता। पिपलोदी स्कूल हादसे भी कोई सबक लिया जाएगा, इसकी संभावना बहुत कम है, क्योंकि हमारी प्राथमिकता से अच्छी और सुरक्षित शिक्षा से ज्यादा माल कमाना है।

समाजवाद-धर्मनिरपेक्षता संविधान की आत्मा

नजरिया

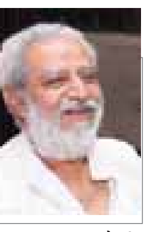

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

निःसंदेह भारत के वेदों और उपनिषदों में कई ऐसे श्लोक हैं जो समता और विश्व मानवता पर आधारित हैं अगर वेदों को सनातन माना जाये तो फिर तो समाजवाद, धर्मनिपरेक्षता एक अर्थ में भारत का सनातन है। जब हिंदू दर्शन कहता है कि (कण-कण में भगवान हैं) (वसुधैव कुटुम्बकम्) आसमान के तारे सबको समान होना आदि-आदि तो क्या यह समाजवाद नहीं है। समाजवाद एक शब्द है जिसमें व्यवस्थागत समता निहित है और सनातन एक शब्द है जिसमें भावगत समता निहित है। मेरी राय में तो समाजवाद और सनातन एक है और एक दूसरे के पर्याय हैं, जो दुनिया को ईश्वर या अल्लाह के द्वारा समान बनाये जाने व मानने के सिद्धांत हैं। ईश्वर या अल्लाह, क्राईस्ट्र या किसी भगवान ने इंसान इंसान को समान गढ़ा है, शरीर के अंगों में कोई फर्क नहीं किया है याने समता और समाजवाद यह ईश्वरीय विधान है। यह विचित्र है कि संघ व भाजपा के मित्रों को आपातकाल में संविधान में प्रस्तावना में संविधान संशोधन के द्वारा जोड़े गये शब्दों पर तो आपत्ति है परंतु आपातकाल में ही किये गये पूर्व सांसदों व विधायक की पेंशन स्वीकार्य है। यह तो बगैर संशोधन की संतान हैं, जिन्हें केवल एक कानून रद्द कर समाप्त किया जा सकता है। संविधान में पूर्व सांसदों, विधायकों को पेंशन का प्रावधान नहीं था इसलिये 1947 से 1976 तक इन्हें कोई पेंशन नहीं थी।

संघ परिवार की ओर से 26 जून आपातकाल के दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें प्रधानमंत्री से लेकर देश के लगभग सभी भाजपा के मुख्यमंत्री और शीर्ष नेता सहभागी रहे। बहुत संभव है कि, अपने कार्यकाल के 11वें वर्ष में प्रधानमंत्री जी को आपातकाल, मीसाबंदियों और संविधान हत्या दिवस की याद इसलिये भी आई हो क्योंकि आजकल कांग्रेस के लोग संविधान की प्रति लिये घूम रहे हैं और कभी उसकी प्रस्तावना को लेकर सुनाते हैं या फिर हाथ में संविधान की प्रति लेकर फोटो निकलवाते हैं। इस राजनैतिक हथकंडे का प्रतिउत्तर देने के लिए शायद यह प्रयोग भाजपा के नेतृत्व ने रणनीति के तौर पर तय किया हो। इस बार प्रधानमंत्री जी और गृहमंत्रीश्री अमित शाह जी ने भी मीसाबंदियों की लोकतंत्र सेनानी के रूप में उनकी विशेष चर्चा की। जबकि कुछ वर्ष पूर्व जब लोकतंत्र सेनानी संघ का एक प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष श्री कैलाश सोनी के नेतृत्व में श्री अमित शाह से मिलने गया था और उनसे मीसाबंदियों के लिये आयुष्मान योजना में शामिल करने व अन्य सुविधाओं को लेकर एक ज्ञापन दिया गया था तब उन्होंने कहा (जैसा की श्री कैलाश सोनी जी ने बताया था) कि मैं देखूँगा हालांकि मैं इसके बहुत पक्ष में नहीं हूँ। मीसाबंदियों उर्फ लोकतंत्र सेनानियों को श्री राहुल गांधी को इस बात के लिये धन्यवाद देना चाहिए, कि उनके संविधान बचाओ अभियान का कम से कम इतना तो लाभ उन्हें मिला कि प्रधानमंत्री,गृहमंत्री के मुख से मीसाबंदियों के त्याग व कुर्बानी के किस्से शुरू हो गये। हालांकि और भी अच्छा होता कि अगर राहुल गांधी आपातकाल की घोषणा की आलोचना करते और स्वतः मीसाबंदियों के पक्ष में खड़े होकर उनके लिये सहयोग की बात करते। वे कह सकते थे कि जो सही भी था कि वे तो उस समय एक कम उम्र के युवा थे जिन्हें इस सब घटनाक्रम के बारे में कोई ज्ञान ही नहीं था।

यह जो अवसर इस बहस के नाम पर प्रधानमंत्री और संघ परिवार के हाथ में आया है उससे उसने चतुराई से एक कदम और आगे बढ़ा दिया है। 26 जून को संघ के सरकार्यवाहक श्री दत्तात्रेय होसबले ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गये (समाजवादी) और श्धर्म निरपेक्ष्य शब्दों की समीक्षा होना चाहिए जिन्हें आपातकाल के दौरान शामिल किया गया था और यह स्व. वीआर आंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा नहीं थे। आपातकाल के दौरान भारत के संविधान की प्रस्तावना में यह शब्द जोड़े गये। और उन्होंने यह भी कहा कि यह शब्द प्रस्ताव में रहना चाहिए या नहीं इस पर भी विचार होना चाहिए। देश के कृषि मंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने भी इस अवसर को तत्काल भुनाया और बनारस में कहा कि श्सर्वधर्म सदभाव्य भारतीय संस्कृति का मूल्य है, धर्म निरपेक्षता हमारी संस्कृति का मूल्य नहीं है और इसलिये इस पर विचार होना चाहिए कि आपातकाल में जिस धर्मनिरपेक्ष शब्द को जोड़ा गया उसको हटाया जाए। इस बहस में 28 जून को देश के पूर्व उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ भी शामिल हो गये थे और उन्होंने अपने स्वभाव के अनुसार एक कदम आगे बढ़कर कहा कि (प्रस्तावना में जोड़े गये यह शब्द धर्मनिरपेक्ष व समाजवाद नासूर हैं और सनातन का अपमान है। यह हजारों वर्ष से इस देश की सभ्यतागत संपदा व ज्ञान को कमतर आंकने के अलावा कुछ नहीं है। यह सनातन की भावना का अपमान है।) उन्होंने यह भी कहा कि (प्रस्तावना बीज होती है जिस पर संविधान विकसित होता है, भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया।) यह भारत में 42वाँ संविधान संशोधन के जरिये हुआ। इस बीच आरएसएस से संबंधित पत्रिका में 27 जून को एक लेख में कहा गया कि समाजवादी व धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा करने का आव्हान इसे तहस नहस करने का नहीं बल्कि आपातकाल की नीतियों की विकृतियों से इसके मूल भावना को बहाल करने की है।

इन तीनों महानुभावों के बयानों के पीछे अपने-अपने उद्देश्य हैं। श्री होसबले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकार्यवाह हैं और यह निर्विवाद तथ्य है कि संघ वर्तमान संविधान को मौलिक रूप से ही बदलना चाहता है ताकि हिंदू राष्ट्र के अनुकूल संविधान बनाया जा सके और संघ की सुनियोजित रणनीति रहती है कि किसी भी प्रश्न को राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बनाने के कई वर्ष पहले से वह उस पर काम शुरू करता है। अयोध्या के राम मंदिर के निर्माण, समान नागरिक संहिता, कश्मीर को लेकर धारा-370 को हटाना, आदि अभियान इसके उदाहरण हैं और ऐसा लगता है कि अब संघ ने संविधान के प्रावधानों को बदलकर अपने अनुकूल बनाने की 26 जून से विधिवत और औपचारिक अभियान शुरू कर दिया है। संघ की कार्यशैली बहुत सोची समझी होती है और वे किसी शीघ्रता में नहीं होते। वैसे यह गुण अनुकरणीय है और सभी राजनैतिक दलों, व्यक्तियों और परिवर्तनकारी शक्तियों के लिये यह तरीका अपनाना चाहिए, परंतु सत्ता लोलुपता आमतौर पर इनसे जल्दबाजी में निर्णय कराती है। सत्ताकांक्षी होना बुरा नहीं है पर सत्ता लोलुप होकर ठोकरें खाना बुरा होता है। संघ सत्ताकांक्षी है और देश के नेता अपवाद छोड़ें तो सत्ता लोलुप हैं। जैसी की आशंका थी संघ ने इसके लिये विभिन्न अभियान चलाने की घोषणा 4 जुलाई 25 को कर दी है।

श्री जगदीप धनखड़ जी ऐसा लगता है कि राष्ट्रपति पद पाने के लिये बहुत शीघ्रता में थे और वे ऐसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे जो न केवल उनके पद की गरिमा के अनुकूल नहीं थे बल्कि शिष्टता की सीमा के भी परे थे। हमारे यहां कहावत है कि (नया मुल्ला ज्यादा प्याज खाता है) शायद यही उनकी स्थिति थी। श्री शिवराज सिंह चौहान जी भी मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद अपने आप में कुछ असुरक्षित महसूस करते हैं और संघ को अपनी उपयोगिता सिद्ध करते रहना चाहते हैं। यह निर्विवाद है कि ये शब्द आपातकाल में संविधान संशोधन के द्वारा जोड़े गए थे परंतु यह कहना कि श्री वीआर आंबेडकर के द्वारा प्रस्तावित संविधान के यह विपरीत है, यह तथ्यपरक नहीं है। संविधान निर्माण प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ आंबेडकर थे और उन्होंने संविधान सभा में हुई बहसों पर जो आम राय बनी उन्हें ही प्रारूप के रूप में प्रस्तुत किया था परंतु संविधान की अपूर्णताओं को उन्होंने भी दुख के साथ व्यक्त किया था। संविधान सभा की बहसों में देखा जा सकता है कि बाबा साहेब संविधानिक समाजवाद के पक्ष में थे, याने वे चाहते थे समाजवादी व्यवस्था के लिये संवैधानिक प्रावधान बने परंतु उस समय की संवैधानिक सभा में उनकी कल्पना मूर्त रूप नहीं ले सकी, जिसका उन्हें दुख भी रहा। बाद में उन्होंने यहां तक कहा कि (लोग कहते हैं कि मैंने संविधान बनाया है परंतु शायद मैं इसे जलाने वाला पहला व्यक्ति होऊँगा।) यह उनकी निराशा व पीड़ा थी। जब वे प्रगतिशील विचारों के कानून हिंदू कोड बिल संसद में पेश नहीं कर सके तब भी उनकी निराशा सार्वजनिक रूप से व्यक्त हुई थी।

जहाँ तक धर्मनिरपेक्षता और सर्वधर्म समभाव का संबंध है, यह दोनों ही शब्द एक अर्थ में समानार्थी हैं। धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य धर्महीनता से नहीं है बल्कि धर्मनिरपेक्षता के दो अर्थ होते हैं, एक राज्य किसी से भी धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा, और दूसरे हर व्यक्ति अपनी-अपनी इच्छा से धर्म मानने को स्वतंत्र है। सर्व धर्म समभाव, यह एक आशाजनक शब्द है जो हर व्यक्ति को अपने धर्म को मानने के साथ-साथ अन्य धर्मों को भी उसी समता के भाव से देखने का संदेश देता है। निःसंदेह यह शब्द बहुत सुंदर है परंतु उसकी व्यावहारिकता व उपयोगिता पर विचार होना चाहिए। क्या यह मानवीय रूप से संभव है कि कोई भी व्यक्ति किसी एक धर्म को माने और दूसरे धर्म को भी उसी भाव से देखे। यह एक अतिमानवीय कल्पना है जो व्यावहारिक कम शाब्दिक अधिक है। जो व्यक्ति किसी एक धर्म को मानता होगा तो स्वाभाविक है कि वह उस धर्म को इसलिये मानता होगा कि उसकी नजरों में वह धर्म अन्य धर्मों से श्रेष्ठ है। सर्व धर्म समभाव व्यावहारिक रूप से तभी संभव है जब दुनिया का धर्म एक हो जाए। और यह अनुभव अब छिपा हुआ नहीं है कि भारत से लेकर दुनिया में जो भी धर्म गुरु हैं वह अपने अधर्म को श्रेष्ठ बताते हैं, दूसरे धर्मों की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष निंदा करते हैं। अगर सर्वधर्म समभाव मानना व्यक्ति के लिये व्यावहारिक होता तो फिर यह धर्म परिवर्तन की समस्या क्यों होती? हमारे देश में ही हिंदू और सनातन के ठेकेदार लव जेहाद और धर्म परिवर्तन को रोकने के लिये कानून बनाने को क्यों लाचार हैं? हिंदु संस्थायें और नेता भी घर वापिसी का अभियान चला रहे हैं यह क्या है? और अगर सर्व धर्म समभाव है या हो सकता है तो इन्हीं विचारों की जमातों के लिये इसकी जरूरत क्यों पड़ी।

निःसंदेह भारत के वेदों और उपनिषदों में कई ऐसे श्लोक हैं जो समता और विश्व मानवता पर आधारित हैं अगर वेदों को सनातन माना जाये तो फिर तो समाजवाद, धर्मनिपरेक्षता एक अर्थ में भारत का सनातन है। जब हिंदू दर्शन कहता है कि (कण-कण में भगवान हैं) (वसुधैव कुटुम्बकम्) आसमान के तारे सबको समान होना आदि-आदि तो क्या यह समाजवाद नहीं है। समाजवाद एक शब्द है जिसमें व्यवस्थागत समता निहित है और सनातन एक शब्द है जिसमें भावगत समता निहित है। मेरी राय में तो समाजवाद और सनातन एक है और एक दूसरे के पर्याय हैं, जो दुनिया को ईश्वर या अल्लाह के द्वारा समान बनाये जाने व मानने के सिद्धांत हैं। ईश्वर या अल्लाह, क्राईस्ट्र या किसी भगवान ने इंसान इंसान को समान गढ़ा है, शरीर के अंगों में कोई फर्क नहीं किया है याने समता और समाजवाद यह ईश्वरीय विधान है। यह विचित्र है कि संघ व भाजपा के मित्रों को आपातकाल में संविधान में प्रस्तावना में संविधान संशोधन के द्वारा जोड़े गये शब्दों पर तो आपत्ति है परंतु आपातकाल में ही किये गये पूर्व सांसदों व विधायक की पेंशन स्वीकार्य है। यह तो बगैर संशोधन की संतान हैं, जिन्हें केवल एक कानून रद्द कर समाप्त किया जा सकता है। संविधान में पूर्व सांसदों, विधायकों को पेंशन का प्रावधान नहीं था इसलिये 1947 से 1976 तक इन्हें कोई पेंशन नहीं थी।

आत्मनिर्भरता के लिए कौशल दक्षता का आलाप

रोजगार

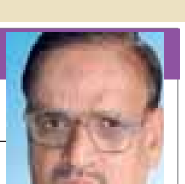

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

देश में वस्तु निर्माण के पुख्ता स्तंभ बनाने के लिए कौशल दक्षता में कमी की बात कही जाती है। यहां तक कि इंजीनियर और पीएचडी डिग्रीधारी को भी अयोग्य ठहरा दिया जाता है। हाल ही में आईफोन बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एप्पल ने चेन्नई में फोन निर्माण के लिए एक संयंत्र स्थापित किया है, किंतु उसे पर्याप्त दक्ष युवा नहीं मिल रहे। इनकी प्रतिपूर्ति कंपनी ने चीन और ताइवान से की। यहां सवाल उच्च शिक्षित पेशेवरों के साथ उन शिक्षा संस्थानों पर भी खड़ा होता है कि तमाम आधुनिक संसाधनों से भरे पड़े ये पढ़ा व सिखा क्या रहे हैं? दक्षता की लक्ष्य पूर्ति के लिए अक्सर चीन से सीख लेने की बात कही जाती है। जिससे यह जान लिया जाए कि सस्ते मजदूरों के जरिए सस्ती वस्तुओं का निर्माण कैसे हो ? क्योंकि इन्हीं वस्तुओं के निर्माण से चीन दुनिया की औद्योगिक व प्रौद्योगिक शक्ति बना है। उसके माल से दुनिया के बाजार भरे पड़े हैं।

यहां प्रश्न खड़ा होता है कि क्या हम सस्ती वस्तुओं के निर्माण की तरकीब और देशज ज्ञान भारत और भारतीयों से नहीं सीख सकते? मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में एक तहसील स्तरीय कस्बा है बदरवास। संयोग से मैं (लेखक) यहीं का रहने वाला हूं। अब से करीब पैंतालीस साल पहले बदरवास के ही बैक से 10 हजार रुपए का ऋण लेकर रमेश अग्रवाल ने यहीं छोटी सी दुकान में जैकेट बनाने का काम प्रारंभ किया था, तब वे रोजाना 40-50 जैकेट बनवाकर बेच लेते थे। किंतु आज हजारों जैकेट बनवा कर बेच रहे हैं। मध्य प्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल समेत नेपाल तक फेरी वाले उनकी जैकेट बेचते हैं। इसे मोदी जैकेट कहा जाता है। सस्ती जैकेट का यह व्यापार समूचे देश में फैल रहा है। इस उत्पाद के शो-रूम भी खुल रहे हैं और बाजार में मांग लगातार बढ़ रही है। अब जैकेट निर्माण का विकेंद्रीकरण हुआ है। करीब एक सैंकड़ा लोग जैकेट के निर्माण और व्यापार में जुटे हैं। पांच-सात हजार क्षेत्रीय ग्रामीण पुरुष और महिलाएं जैकेट की सिलाई के काम से जुड़े रहते हुए आत्मनिर्भर हुए हैं। बदरवास की गली-गली में जैकेट सिलने और बेचने का व्यापार परवान चढ़ा दिखाई देता है। बड़े कारोबारियों के कारखाने देखकर हैरानी होती है कि इतने छोटे कस्बे में जैकेट का इतने बड़े पैमाने पर उत्पादन कैसे हो रहा ?

इन जैकटों की कीमत न्यूनतम 80 रुपए से लेकर 300 रुपए तक है। यहां के सिले वस्त्र निर्माता इतना सस्ता उत्पाद कैसे कर पाते हैं, इस रहस्यमयी तरकीब को जानना जरूरी है, जिससे चीन की तरह भारत के माल से दुनिया के बाजार भरे जा सकें। जैकेट व्यापारी अपने ठिकानों पर विभिन्न आकार-प्रकार की जैकेटों के कपड़े की कटिंग कराते हैं। फिर इन कटे वस्त्रों को आसपास के पन्द्रह किलोमीटर तक के ग्रामों में सिलने के लिए दर्जन के हिसाब से भेज देते हैं। अतएव यहां देखने में आता है कि घर-घर और खेत-खेत महिलाएं और छात्राएं जैकेट की सिलाई में लगी हैं। इनमें ज्यादातर महिलाएं खेती-किसानी से जुड़ी होती हैं। ये घरेलू और किसानी की दिनचर्या से निपटने के बाद खेत में बने घर की दहलान में पैरों से चलने वाली सिलाई मशीन से सिलाई के काम में लग जाती हैं। सिलाई के बाद इनके घर का कोई व्यक्ति जैकेटों को साइकिल या बाइक से व्यापारी को दे आते हैं। तत्काल इन्हें प्रति जैकेट के हिसाब से मजदूरी दे दी जाती है। जैकेट की सिलाई खाली समय में की जाती है, इसलिए मजदूर को अतिरिक्त धन मिल जाता है, जो इनकी आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार बन गया है। सिलाई की इस कौशल दक्षता को मां या बड़ी बहन नई पीढ़ी को सिखाती चलती हैं। इस कौशल के लिए अच्छी पढ़ाई या उत्तम प्रशिक्षण की जरूरत ही नहीं पड़ती है। जैकेटों में काज-बटन लगाने का काम पुरुष या तो हाथ से करते हैं या फिर मशीनों से। जैकेट के जितने भी बड़े कारोबारी हैं, उनके कारखानों में आधुनिक व इलेक्ट्रोनिक तकनीक से जुड़ी बड़ी-बड़ी मशीनें लगी हैं। इन मशीनों को चलाना भी लोग परस्पर सीख लेते हैं। इसी तरकीब से बदरवास में प्रतिदिन लगभग दस हजार जैकेट बनाकर बेची जा रही हैं।

सस्ते श्रम से सस्ते माल के उत्पादन की इस विधि को संपूर्ण भारत समेत विदेश में भी फैलाने की जरूरत है। चीन इसी तकनीक से विश्व बाजार में औद्योगिक षक्ति बना हुआ है। दरअसल चीन पिछले चार दशक से बदरवास जैसी वस्तु निर्माण की तरकीब अपनाए हुए है। वह वस्तु निर्माण से जुड़े कारीगरों को नगरों में आकर काम करने को विवश नहीं करता, अपितु कच्चा माल गांव-गांव भिजवाकर वस्तु निर्माण कराता है। देवी-देवताओं की मूर्तियां, दीपक, राखी, बिजली की झालर वह इसी तरकीब से बनवाता है और फिर उनकी दर्शनीय पैकिंग कराकर निर्यात करता है। अमेरिका समेत अन्य देशों के उद्योगपति चीन की इस सस्ती तरकीब से जुड़े सफल मंत्र के चमत्कार को अनुभव करके इसे अपनाने की पहल कर रहे हैं। लेकिन भारत जो अपनी समृद्ध ज्ञान परंपरा से वस्तुओं के निर्माण में हजारों साल से जुड़ा हुआ था, वहां के लोग और शिक्षा संस्थान पश्चिम की ओर ताक रहे हैं। भारत के शिक्षा विशेषज्ञ भी इसी विचार से प्रेरित हैं। लोगों को षेयर बाजार के सिद्धांत और ऋण से धंधे की स्थापना के जुनून का पाठ पढ़ाया जाकर सरकारी या कंपनियों की नौकरी मिल जाए। जिससे वे कुलीन की श्रेणी में आ जाएं। उच्च शिक्षा के इस लक्ष्य को साधने के लिए कर्ज की सुविधा देकर विदेशी व्यापार-प्रबंधन के संस्थानों में पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कथित कामयाबी के लिए यह प्रोत्साहन सर्वथा अनुचित है। जबकि भारतीय संस्कृति में शिक्षित होने का उद्देश्य धनवान या आभिजात्य होना कतई नहीं था। विनम्र व शालीन बने रहते हुए ज्ञान को अन्य समुदायों में बांटना और वंचितों की सेवा करना था। जैकेट का कारोबार शुरू करने वाले रमेश अग्रवाल एक ऐसे अपवाद हैं, जो 'अपना घर' के माध्यम से उपेक्षित रोगियों की सेवा में नियमित लगे हैं। किसी भी धनवान का देश और समाज के प्रति यही उत्तरदायित्व होना चाहिए।

दूसरी तरफ हमारे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। जबकि देश के सकल घरेलू उत्पाद में 29 प्रतिशत, रोजगार में 60 प्रतिशत और निर्यात में 40 प्रतिशत योगदान इन्हीं उद्योगों का है। फिर भी इन उद्योगों से लेकर ऑटोमोबाइल, कृत्रिम-मेघा और मशीन लर्निंग जैसे उद्योगों के लिए दक्ष युवाओं की कमी है। आखिर भारतीय राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन युवाओं को दक्ष करने में असफल क्यों रहा? क्योंकि इस अभियान में युवाओं को प्रशिक्षण देकर दक्ष बनाने का दायित्व जिन लोगों को सौंपा गया था, वे वही किताबी ज्ञान देते रहे, जिसे प्रशिक्षु शिक्षा संस्थानों से पढ़कर निकले थे, जबकि उन्हें उद्योग में प्रायोगिक ज्ञान की जरूरत थी। इसी ज्ञान से उत्पादकता बढ़ेगी। उत्पादकता बढ़ेगी तो आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी। मेक इन इंडिया का यही उपाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बाजार में भारत को स्थापित करेगा। राजस्व और रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

बच्चों में बढ़ते गुस्से की जड़ें और समाधान

अभिव्यक्ति

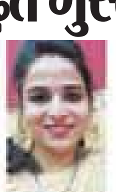

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

आज के समय में बच्चों में गुस्से की समस्या एक आम बात बनती जा रही है। पहले जहाँ बच्चे शांत, सरल और आज्ञाकारी माने जाते थे, वहीं आज के बच्चे ज़रा सी बात पर चिड़चिड़े हो जाते हैं, जोर से बोलते हैं, चीजें तोड़ते हैं या मारपीट तक कर बैठते हैं। यह केवल एक सामान्य व्यवहार नहीं है, बल्कि एक गहरी चिंता का विषय बन चुका है। सवाल यह है कि बच्चों में यह गुस्सा क्यों बढ़ रहा है और इसके लिए जिम्मेदार कौन है?

बच्चों में गुस्से के बढ़ने के पीछे सबसे बड़ा कारण परिवार का वातावरण है। घर वह पहली जगह होती है जहाँ बच्चा सीखता है। यदि माता-पिता के बीच झगड़े होते हैं, घर में तनावपूर्ण माहौल होता है या बच्चे को डांट-फटकार और दंड ही अधिक मिलता है, तो बच्चा असुरक्षित महसूस करता है। यह असुरक्षा धीरे-धीरे गुस्से में बदल जाती है। इसके अलावा, कई बार माता-पिता खुद भी गुस्सैल होते हैं और वही व्यवहार बच्चे सीख लेते हैं। बच्चा वही करता है जो वह अपने आसपास देखता है।

आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन, टीवी, टैबलेट और इंटरनेट बच्चों के सबसे करीबी साथी बन चुके हैं। बहुत छोटे बच्चे भी आजकल मोबाइल में वीडियो गेम्स खेलते हैं या यूट्यूब पर आक्रामक कार्टून देखते हैं। इन माध्यमों पर दिखाए जाने वाले हिंसात्मक और उत्तेजक दृश्य बच्चों की कोमल मानसिकता पर गहरा असर डालते हैं। वे समझ ही नहीं पाते कि यह सब काल्पनिक है, और उसे असल जिंदगी में अपनाने लगते हैं। इससे उनमें चिड़चिड़ापन, आक्रोश और सहनशक्ति की कमी आ जाती है।

बच्चों पर अपेक्षाओं का अत्यधिक बोझ भी उनके गुस्से का एक बड़ा कारण है। माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा हर क्षेत्र में अव्वल आए। पढ़ाई में टॉप करे, खेल में आगे रहे, और हर समय अनुशासित और परिपक्व व्यवहार करे। यह दबाव बच्चों के मन पर भारी पड़ता है। जब वे इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर पाते, तो उन्हें असफलता का डर सताने लगता है, जिससे वे मानसिक रूप से परेशान हो जाते हैं और वह तनाव गुस्से का रूप ले लेता है। बच्चा अपनी भावनाएं शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाता, तो वह उन्हें चिल्लाकर या चीजें तोड़कर निकालता है।

माता-पिता की व्यस्त दिनचर्या भी बच्चों के गुस्से का कारण बन रही है। जब माता-पिता अपने काम में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि बच्चों के साथ समय नहीं बिता पाते, तो बच्चों में संवादहीनता पैदा हो जाती है। उन्हें लगता है कि उन्हें कोई नहीं समझता, कोई नहीं सुनता। यह भावनात्मक दूरी उन्हें अकेला बना देती है और धीरे-धीरे उनमें नकारात्मक भावनाएं पनपने लगती हैं। इसी का परिणाम है कि वे छोटी-छोटी बातों पर भड़क उठते हैं।

बच्चों में बढ़ते गुस्से को रोकने के लिए सबसे पहले उन्हें प्यार और समझ की जरूरत होती है। माता-पिता को बच्चों से नियमित रूप से बातचीत करनी चाहिए, उन्हें ध्यान से सुनना चाहिए और उन्हें यह भरोसा दिलाना चाहिए कि वे हर परिस्थिति में उनके साथ हैं। यह संवाद बच्चों को भावनात्मक सहारा देता है और उन्हें संतुलित बनाता है। साथ ही, बच्चों को सही और गलत का फर्क समझाने के लिए अनुशासन जरूरी है, लेकिन सख्ती नहीं। उन्हें सहानुभूति के साथ यह सिखाना चाहिए कि गुस्सा आना गलत नहीं, लेकिन उसका सही तरीके से सामना करना जरूरी है।

मोबाइल और टीवी के इस्तेमाल पर नियंत्रण रखना भी जरूरी है। बच्चों को सीमित समय के लिए ही स्क्रीन एक्सेस देना चाहिए और उन्हें रचनात्मक कार्यों में व्यस्त रखना चाहिए, जैसे कि चित्र बनाना, किताबें पढ़ना, गार्डनिंग, म्यूजिक या कोई खेल। ये गतिविधियाँ उनके दिमाग को शांत रखने में मदद करती हैं और उन्हें सकारात्मक ऊर्जा देती हैं। साथ ही, योग और ध्यान की आदत बचपन से ही डाली जा सकती है, जिससे बच्चे मानसिक रूप से स्थिर और शांत बने रहें।

बच्चों के गुस्से को नियंत्रण में रखने का एक और प्रभावी तरीका यह है कि उन्हें अच्छा उदाहरण दिया जाए। यदि माता-पिता और बड़े स्वयं शांत, संयमी और समझदार व्यवहार करेंगे, तो बच्चे भी वही सीखेंगे। बच्चे वही करते हैं जो वे देखते हैं, इसलिए हर वयस्क को यह समझने की जरूरत है कि उसका व्यवहार ही बच्चों का भविष्य तय करता है। इसके अलावा, बच्चों को नियमित रूप से खेलने का अवसर देना, उन्हें प्रकृति के संपर्क में लाना और सामाजिक गतिविधियों में शामिल करना भी जरूरी है।

अंततः कहा जा सकता है कि बच्चों में गुस्से की समस्या केवल उनके भीतर नहीं, बल्कि हमारे समाज, परिवार और जीवनशैली की असंतुलित स्थितियों का परिणाम है। यदि हम अपने घरों में प्रेम, संवाद और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बनाएँ, तो निश्चित रूप से बच्चों में बढ़ती आक्रामकता को रोका जा सकता है। यह सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर अभिभावक, शिक्षक और समाज के हर सदस्य का कर्तव्य है कि वे बच्चों को एक बेहतर इंसान बनाने की दिशा में काम करें। गुस्से को समझकर, सहानुभूति से उसका समाधान निकालना ही सच्ची परवरिश की पहचान है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

डिजिटल विज्ञापनों के आवर्तन से हलाकान जिंदगी

व्यंग्य

शांतिलाल जैन

लेखक व्यंग्यकार हैं।

एक रोज़ की बात। हुआ ये श्रीमान कि मैं डायरिया के संक्रमण का शिकार हुआ, और दस मिनिट में तीन बार टॉयलेट हो आया। कुछ देर के सुकून के बीच मोबाइल देखा तो स्क्रीन पर दस्त रोकने के उपाय वाले डिजिटल विज्ञापन दनादन सामने आने लगे। पेट की गुड़गुड़ाहट उनके सर्वर तक पहुँची ही होगी कि बाज़ार सक्रिय हो गया। अंग्रेज़ी दवाओं से लेकर हकीम वीरूमल के शर्तिया नुस्खों तक, ओआरएस के टेट्रा पैक्स से आयुर्वेदिक रामबाण उपायों तक, केला-सेब-अजवाइन के शेक से मिनटों में मिलनेवाले आराम तक के थम्बनेल वाले वीडियोज की झड़ी सी लग गई। बाज़ार मुझे हर समय ऑनलाइन ट्रैक करता रहता है। वह जान गया है कि मैं ड्राइंगरूम से टॉयलेट तक बार बार दौड़ लगा रहा हूँ और इस समय मुझे किन-किन चीज़ों की जरूरत है।

बहरहाल, जितना परेशान पेट में रह रह उठनेवाली मरोड़ से नहीं हुआ उससे ज्यादा डिजीटल विज्ञापनों के आवर्तन से हो गया। मुझे पता है वे बीच बीच में उभरते ही रहेंगे। स्किप बटन को दायीं ओर सरकाते सरकाते अपन की अंगुली घिस जाएगी, वे रुकेंगे नहीं। खीजिए, झुंझलाईए, चिढ़चिढ़ाईए, बाल नोंच लीजिए, कपड़े फाड़ लीजिए-कुच्छो कर लीजिए। वे आते रहे हैं, वे आते रहेंगे। ऑनलाइन ऑर्डर करिए करामाती पावडर। मिनटों में आराम की गारंटी। एक बार दस्त बंद हुए तो जुलाब लिए बगैर खुलेंगे नहीं। जुलाब भी उनकी ही कंपनी का ऑर्डर करिए, ऑनलाइन, ऑफलाइन, कैश ऑन डिलीवरी, क्रेडिट कार्ड से फायनांस की सुविधा, जीरो परसेंट ब्याज की ईएमआई पर उपलब्ध। कहानी यहीं समाप्त नहीं होती श्रीमान। वे लिक्विड सोप के साथ हाज़िर हैं। मुझे अपने आप पर शुबहा होने लगा था, क्या सच में हाथ ठीक से धुले नहीं हैं? वे मुझे शर्मसार कर रहे थे। राख़ से चले थे आप लाईफबॉय पर अटक गए हैं। गँवारू आदतें छूटती नहीं आपकी शांतिबाबू। हम आपके लिए लिक्विड सोप की एक पूरी रेंज़ लिए हाज़िर खड़े हैं और आप नब्बे परसेंट घिस चुके नहाने के लाल साबुन के चिपटे का उपयोग करने में ही अटके हुए हैं। 'शी' लिखे दरवाजे से बाहर आती हुई दीपिका पादुकोण को देखिए। वे बता रहीं हैं डेटॉल लिक्विड सोप से धुली अपनी बेक्टीरिया फ्री, नर्म, मुलायम, खुशबूदार गोरी-गोरी हथेलियाँ। गोरी तो दिख रही हैं मगर नर्म, मुलायम और खुशबूदार कितनी है इसकी तस्दीक तो रणवीर भैया ही छू कर सकते हैं। थम्बनेल में लिखा है तो मान लीजिए। डिजीटल विज्ञापन घुसपैठियों की मानिंद आते है, डराते है, खरीदने को विवश करते हैं, हटते ही नहीं। अभी मैंने तरल साबुनों के विज्ञापनों को स्किप किया ही था कि तौलियों की श्रृंखला ने स्क्रीन स्पेस घेर लिया है। टॉयलेट की दीवारों से मैच करते रंगोंवाले नैपकिंस, रोंएदार, मुलायम, मेडिकेटेड। नित्यकर्म भी बाज़ार गिरफ्त में है। वे एड़ियों से घिस चुकी रब्बड़ की टॉयलेट चप्पलें बदलने के सुझाव देने लगते उसके पहले मैंने घबराकर मोबाईल तुरंत बंदकर दिया।

उस दिन मैं और अधिक घबरा गया जब अपन की टाईम लाइन पर टिम्बकटू से होनोलुलु तक के टूरिज्म पैकेजेस उभरने लगे। वाईफ ने एकांतिक क्षणों में मद्धम स्वर में कहीं घूमने जाने की फ़रमाईश की थी और बाज़ार को पता भी चल गया। स्मार्टफ़ोन के किसी ऐप ने बजरिए माइक्रोफ़ोन हमारी बातें सुन लीं और हमें पता ही नहीं चला। खेड़ा-खजूरिया तक जाने की हैसियत नहीं अपन की मगर बाज़ार सैंटोरिनी में हॉलि-डेइंग के सपने दिखाने लगा। यम्मी टाईम। होटल्स, एयरलाईन्स, फुड, फन, फुल-मस्ती। कॉर्पोरेट वर्ल्ड का बिगब्रदर हर समय वॉच कर रहा होता है। रोज़ दोपहर तीन बजे कॉफ़ी पीने आदत है। दो बजकर पचपन मिनिट पर नोटिफिकेशंस की टुन्न-टुन्न के साथ नज़दीक के कॉफ़ी हाउस स्क्रीन पर तैरने लगते हैं। कुकीज़ अब कॉफ़ी के साथ चबाने-चुगलने वाली वाली चीज़ नहीं रह गयी है, यह कम्प्यूटर में अपन की कुंडली सहेजने वाली बिन है। अपन ने कौनसी साईट देखी, क्या सुना, क्या पसंदगी है। अपन की शारीरिक सेहत से लेकर ब्रेन मैपिंग तक कम्प्यूटर की कुकीज में सेव है।

बाज़ार का संदेश साफ़ है। आप एक पिछड़ी हुई दुनिया में जी रहे हैं शांतिबाबू। आपको क्या पसंद करना चाहिए, आपको क्या खरीदना चाहिए, आपको क्या सोचना चाहिए, आपको किन विषयों पर लिखना चाहिए, आपको कैसा लिखना चाहिए। उतना खराब तो बिल्कुल नहीं लिखना चाहिए जितना ख़राब आप इन दिनों लिख रहे हैं। आप से ठीक से लिखा नहीं जा रहा तो बाज़ार आपकी मदद के टूल्स लिए हाज़िर है। चैट-जीपीटी, ग्रोक, जेमिनी-एआई से लिखवा लीजिए। सबस्क्राईब करने के लिए जेब तो ढीली करनी ही पड़ेगी।

हाँ तो श्रीमान, कुछ दवाओं कुछ दुआओं से तन के अतिसार की व्याधि से उस रोज़ तो राहत पा गया हूँ, विज्ञापनों के अतिसार से राहत संभव लगती तो नहीं ही है।

कानून और न्याय

विनय झैलावत
(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

न्यायिक व्यवस्था की विसंगतियों पर चोट करने वाला फैसला

इसे 'मील का पत्थर' फैसला माना जाना चाहिए, इस फैसले को न्यायिक इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाना चाहिए। न्याय व्यवस्था की विसंगतियों पर पहली बार किसी न्यायाधीश ने चोट की है और उन्हें तोड़ने का प्रयास किया। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इस खंडपीठ की जितनी सराहना की जाए और साधुवाद दिया जाए, वह कम है।

इस मामले में सन् 1987 से न्यायाधीश रहे चतुर्वेदी को व्यापक घोटाले और अन्य मामलों में जमानत देने के मामले में कदाचार का दोषी पाए जाने के बाद सन 2015 में उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था। उन पर मुख्यतः जमानत आवेदनों में भिन्न राय रखने का आरोप था। उन्होंने कुछ को स्वीकार किया था और कुछ को खारिज कर दिया था। प्रकरण के रिकॉर्ड पर विचार करते हुए इस फैसले में खंडपीठ ने कहा कि प्रतिकूल आदेश का सामना करने वाले एक भी व्यक्ति ने कभी यह शिकायत नहीं की कि उसकी जमानत याचिका, जो उसी न्यायाधीश द्वारा जमानत दिए गए अन्य आवेदनों के समान थी, याचिकाकर्ता की बाहरी मांगों को पूरा न कर पाने के कारण खारिज कर दी गई। उच्च न्यायालय ने कहा कि जाति, सामंती व्यवस्था अभी भी मध्य प्रदेश की न्यायपालिका में परिलक्षित होती है, जहां जिला न्यायाधीशों को 'शूद्र' माना जाता है।

इस फैसले में उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों और जिला अदालतों के न्यायाधीशों के बीच संबंधों की तुलना सामंती स्वामी और दास से की। एक कड़े शब्दों वाले आदेश में, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य में न्यायिक ढांचे में परिलक्षित जाति व्यवस्था और सामंती मानसिकता की निंदा की है। फैसले में कहा गया कि उच्च न्यायालय में उन लोगों को सवर्ण या विशेषाधिकार प्राप्त माना जाता है। जबकि जिला न्यायाधीशों को 'शूद्र' और 'कमतर' माना जाता है। फैसले में उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों और जिला न्यायालयों के न्यायाधीशों के बीच संबंधों की तुलना सामंती स्वामी और दास से की। यह भी कहा कि भय और हीनता की भावना एक-दूसरे के अवचेतन में सचेत रूप से पैदा की जाती है।

न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और डीके पालीवाल की खंडपीठ ने एक विशेष अदालत के न्यायाधीश की बर्खास्तगी को दरकिनार करते हुए 14 जुलाई को पारित अपने आदेश में ये तीखी टिप्पणियां की। एक उदात्त स्तर पर, जाति व्यवस्था की संकीर्णता इस राज्य में न्यायिक ढांचे में प्रकट होती है, जहां उच्च न्यायालय में सवर्ण होते हैं और शूद्र जिला न्यायपालिका के लोग होते हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों और जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशों के बीच निराशाजनक संबंध एक सामंती स्वामी और दास के बीच का संबंध है। मन की सामंती स्थिति जो अभी भी राज्य में मौजूद है, उसका परिणाम न्यायपालिका में भी प्रकट होता है। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि जिला न्यायपालिका का डर समझ में आता है। लेकिन वह आपसी सम्मान पर

आधारित नहीं है।

राज्य में जिला न्यायपालिका और उच्च न्यायालय के बीच संबंध एक-दूसरे के प्रति आपसी सम्मान पर आधारित नहीं है, बल्कि एक ऐसा संबंध है जिसमें एक दूसरे के अवचेतन में जानबूझकर भय और हीनता की भावना पैदा की जाती है। उच्च न्यायालय ने एक अगस्त, 2016 के आदेश को चुनौती देने वाली एक न्यायाधीश जगत मोहन चतुर्वेदी की याचिका को स्वीकार करते हुए यह बात कही। इसमें 19 अक्टूबर, 2015 को विशेष अदालत (एससी/एसटी) के न्यायाधीश के रूप में उनकी बर्खास्तगी के खिलाफ उनकी अपील खारिज कर दी गई थी। प्रक्रिया के अनुसार, बर्खास्तगी का आह्वान मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में उच्च न्यायालय की पूर्ण अदालत द्वारा किया जाता है। लेकिन, उन्हें हटाने का प्रस्ताव राज्य सरकार को कार्रवाई के लिए भेजा गया था।

उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता की सेवाओं को समाप्त करने के आदेश को रद्द कर दिया। साथ ही प्रधान सचिव कानून और विधायी विभाग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल के माध्यम से राज्य सरकार पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाते हुए कहा कि चतुर्वेदी को समाज में अपमान का सामना करना पड़ा। न्यायालय ने कहा कि, यह मामला एक ऐसी बीमारी का खुलासा करता है जिसे राज्य में मौजूद सामाजिक ढांचे के कारण प्रभावी ढंग से संबोधित नहीं किया जा सकता है। ठीक इसी तरह के मामलों के परिणामस्वरूप उच्च न्यायालय और आपराधिक अपीलों के समक्ष बड़ी संख्या में जमानत याचिकाएं लंबित रहती हैं। फैसले में अभिभाषक संघों के अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा गया कि यह इस न्यायालय को इस राय पर पहुंचने का विवेक देता है कि जिला न्यायपालिका उच्च न्यायालय के निरंतर भय के तहत कार्य करती है।

इस मामले की तरह, जहां याचिकाकर्ता को आवेदकों के पक्ष में जमानत आदेश पारित करने के कारण सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था, उच्च न्यायालय के ऐसे कृत्यों से जिला न्यायपालिका को जो संदेश जाता है, वह यह है कि प्रमुख मामलों में बरी होने या उच्च न्यायालय के नीचे की अदालतों द्वारा जमानत दिए जाने के परिणामस्वरूप ऐसे आदेश पारित करने वाले न्यायाधीशों के खिलाफ प्रतिकूल कार्रवाई हो सकती है, हालांकि वे न्यायिक आदेश हैं। ''जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशों की बॉडी लैंग्वेज जब वे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का अभिवादन करते हैं तो वे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के सामने केवल बिना रीड की हड्डी के लोगों की तरह झुके रहते हैं, जिससे जिला न्यायपालिका के न्यायाधीश की एकमात्र पहचान यह प्रजाति बन जाती हैं।

उच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसे अनेक उदाहरण हैं कि जिला न्यायपालिका के न्यायाधीश व्यक्तिगत रूप से रेलवे प्लेटफार्मों पर उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों (उनकी इच्छा के अनुसार) की सेवा करते हैं और जलपान के साथ उनका इंतजार करते हैं, जो आम बात है। यह अधिकार की भावना के साथ एक औपनिवेशिक पतन को बनाए रखता है। उच्च न्यायालय ने कहा, ''उच्च न्यायालय की रजिस्ट्री में प्रतिनियुक्ति पर जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशों को प्रायः उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा कभी भी एक सीट की पेशकश तक नहीं की जाती है। दुर्लभ अवसर ही होता है जब यह पेशकश की जाती है। इस अवसर पर भी वे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के सामने बैठने में संकोच करते हैं।

ऐसा लगता है कि जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशों के मानसून की अधीनता और दासता पूर्ण और अपरिवर्तनीय है। आदेश में कहा गया है कि यह सब उनकी नौकरी बचाने के लिए उनके द्वारा किया जाता है। इस वजह से इस मामले में याचिकाकर्ता को अलग तरह से सोचने और करने के लिए नुकसान उठाना पड़ा। उच्च न्यायालय ने कहा कि ''इन न्यायाधीषों के परिवार हैं, बच्चे हैं जो स्कूल जाते हैं। माता-पिता जो इलाज करा रहे हैं, एक घर बनाना है, बचत जमा करनी है। जब उच्च न्यायालय उन्हें पारित न्यायिक आदेश के कारण अचानक उनकी सेवा समाप्त कर देता है, तो वह और उनका पूरा परिवार बिना किसी पेंशन और एक ऐसे समाज का सामना करने के कलंक के साथ सड़कों पर उतर जाते हैं जो उनकी ईमानदारी पर संदेह करता है। न्यायाधीश के साथ हुए घोर अन्याय के कारण, उच्च न्यायालय ने उनके पेंशन संबंधी लाभों को बहाल कर दिया। साथ ही यह भी निर्देश दिया कि उन्हें उस तारीख से वेतन प्रदान किया जाए जिस दिन से उन्हें बर्खास्त किया गया था। यह उस तारीख से होगा जब तक कि वह सेवानिवृत्त नहीं हो जाते। यह लाभ सात प्रतिशत ब्याज के साथ दिया जाएगा।

उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि इस आदेश का अनुपालन आदेश दिनांक से 90 दिनों की अवधि के भीतर किया जाए। यह उस दिन से होगा जिस दिन यह आदेश उच्च न्यायालय के महापंजीयक की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। इसमें विफल रहने पर याचिकाकर्ता प्रतिवादियों के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने का हकदार होगा। ऐसा कम ही होता है जब उच्च न्यायालय अपने ही आदेश के विरूद्ध इस प्रकार की सहायता प्रदान करें। इसके अलावा जिस रूप में व्यवस्था के भीतर जो विसंगतियाँ विद्यमान है उस पर चोट पहुंचाने और समाप्त करने की इच्छा भी इसमें दर्शित होती है। यह आसान नहीं है। इस फैसले के लिए उच्च न्यायालय एवं यह फैसला देने वाले न्यायाधीश बधाई और साधुवाद के पात्र है। उन्होंने दबी हुई आवाज को अभिव्यक्ति प्रदान की है।

क्यों नहीं किया दलाई लामा ने उत्तराधिकारी का ऐलान?

सामयिक

डॉ. सुधीर सक्सेना
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

चीन तिब्बती बौद्धों के सर्वोच्च धर्मगुरु को पसंद नहीं करता है। साफगोई बरतें तो कहना होगा कि बीजिंग को दलाई लामा फूटी आँखों नहीं सुहाते हैं। ऐसा आज से नहीं है। चीनी अधिकारियों ने उन्हें झांसा देकर ल्हासा में सन् 1959 में ही बंदी बना लिया होता। उन्होंने उन्हें एक समारोह में निहत्थे आने का आमंत्रण भी भेजा गया था, लेकिन बीजिंग की मंशा भांपकर दलाई लामा अपने चुनिंदा साथियों और अनुयाइयों के साथ रातों-रात पलायन कर भारत चले आये। वह दिन और आज का दिन दलाई तिब्बती अनुयाइयों के हिमाचल में धर्मशाला में रह रहे हैं। धर्मशाला में मैक्लियॉडगंज में ही तिब्बतियों की निर्वासित सरकार का पीठ हो।

दलाई लामा नब्बे के हो गये हैं, लेकिन वह चैतन्य और सक्रिय हैं। अनुमान था कि वह छह जुलाई को अपने जन्मदिन पर अपने उत्तराधिकारी की घोषणा करेंगे। उनके ऐलान की संभावना के मद्देनजर बीजिंग की भृकुटि में बल पड़ गये थे और सरकारी बयान भी जारी हुआ था। प्रत्युत्तर में भारत ने भी बयान जारी किया था, किंतु दलाई लामा ने संयम बरता और अपने उत्तराधिकारी की घोषणा स्थगित कर दी। उन्होंने अभी और जीने का विश्वास दोहराया और यह भी कि उसका निर्णय रीत्यानुसार गाडेन फोड़ रांग ट्रस्ट करेगा। इस मामले में किसी भी अन्य एजेंसी के हस्तक्षेप से इंकार करते हुये सर्वोच्च धर्मगुरु ने कहा कि इसमें किसी भी अन्य के दखल की कोई गुंजाइश नहीं है। दलाई लामा के बयान से इस बात पर संशय के बादल छंट गये कि 14वें दलाई लामा अंतिम दलाई लामा हैं। उन्होंने इसकी पुष्टि कर दी कि उनकी परंपरा उनके बाद भी जीवित रहेगी। उन्होंने संकेत दिया कि उनका उत्तराधिकारी चीन के बाहर जन्म लेगा। यक्षप्रश्न है कि नब्बेवीं वर्षगांठ के पूर्व उत्तराधिकारी की घोषणा का पूर्वाभाष देने के बावजूद दलाई लामा ने छह जुलाई को इस प्रसंग पर चुप्पी क्यों साध ली? इस यक्ष प्रश्न का उत्तर दलाई लामा के मौन रूपी युधिष्ठिर में नहीं वरन बीते कल के सन्दर्भों में निहित है। इसे समझने के लिये हमें

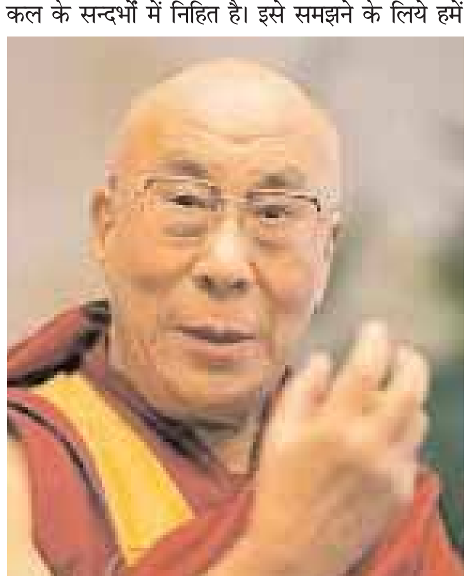

समय के गलियारे में उलटे पाँव चलना पड़ेगा। ऐसा करके ही हम उनके डर को समझ सकेंगे।

करीबत तीन दहाई पहले की बात है। दलाई लाला को भारत में निर्वासित जीवन बिताते हुए साढ़े तीन दशक बीत गये थे। तिब्बत में बौद्ध धर्मावलंबियों में दलाईलामा के बाद सर्वाधिक सम्मानित पद है पंचेन लामा का। पंचेन लामा दलाईलामा के बाद सर्वाधिक पूज्य व्यक्तित्व है। मई, 1995 में दलाई लामा ने छह वर्षीय गेधुन चोएक्यी न्यीमा को 11वां पंचेन लामा घोषित किया। बीजिंग को दलाईलामा का यह कृत्य नागवार गुजरा। तीन दिन बाद ही 17 मई को हादसा हुआ। बालक न्यामा का चीनियों ने कथित अपहरण किया। यही नहीं, उसके परिवार को भी हिरासत में ले लिया गया। तबसे आज तक न तो मनोनीत पंचेन लामा का अता पता चला और न ही उसके परिवार का। चीनी अधिकारियों ने चुप बैठने के बजाय एक और खेल खेला। कुछ ही दिनों बाद उन्होंनें ग्याल्सेन नोरबू को 11वां पंचेन लामा घोषित कर दिया। वर्तमान पंचेन लामा तिब्बत कम ही आते है और अपना ज्यादातर समय बीजिंग में बिताते हैं। वह चीन की कम्युनिष्ट पार्टी को तिब्बतियों के हितों के प्रतिनिधि और रक्षक मानते हैं। वह अतीत से सबक लेकर बीजिंग के सुर में सुर मिलाकर बोलते हैं। उन पर चीनी अधिकारियों की तगड़ी नजर रहती है। वह बाहर नहीं जा सकते। चीन के बाहर वह पहले पहल सन् 2012 में हांगकांग गये थे। प्रसंगवश उल्लेखनीय है कि 14वें पंचेन लामा ने अपना दायित्व निभाने की भरसक चेष्टा की, किंतु बीजिंग ने अपना दायित्व निभाने की भरसक चेष्टा की, किंतु बीजिंग ने इसे सहन नहीं किया। फलतः उन्हें प्रतिबंध, गिरफ्त और नजरबंदी का सामना करना पड़ा। अंततः विवश होकर उन्होंने प्रतिरोध व असहयोग का रास्ता त्याग दिया। समझा जाता है कि उन्होंने चीनी नेताओं को इस आशय का वचन दिया। फलतः उन्हें सन् 1977 में मुक्त किया गया। इसे उनका राजनीतिक पुनर्वास माना गया। सन् 1989 में उनका देहांत हो गया। आज भी बीजिंग की मान्यता है कि उत्तराधिकारी का चयन धार्मिक मामला नहीं है और दलाई लामा को उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार नहीं है, बल्कि यह अधिकार बीजिंग के हाथों में सुरक्षित है। दलाई लामा या पंचेन लामा के उत्तराधिकारियों का चयन भी कम्युनिस्ट पार्टी करेगी। वर्षों के अंतराल में दलाई लामा की सोच में अंतर यह आया है कि अब वह तिब्बत की स्वतंत्रता की नहीं, वरन स्वायत्तता की बात करते हैं।

खारिज हुआ खिलौना

अनुभव

बंसीलाल परमार

कभी-कभी कुछ चित्र खींचने के बाद कम्प्यूटर में लोड करता हूं तो अनेक विचार यकायक आने लगते हैं। ऐसे विचार जो चित्र खींचते समय मन में नहीं आए थे।

शाम घुमने जाते समय सुवासरा टोकड़ा रोड पर ग्रीड के पास बिजली विभाग के कर्मचारियों के आवास बने हैं। वहां से गुजरते हुए एक क्वार्टर की खिड़की के ऊपर बारिश से बचाव के लिए लगाए सायबान पर यह दिखाई दिया। चटक रंग के कारण खारिज किए गए सामानों में यह मुझे पुकारता सा दिखाई दिया। मैंने क्लिक करने में देरी नहीं की। जब कम्प्यूटर में लोड़ किया तो अनेकों विचारों ने मन-मस्तिष्क पर धावा बोल दिया।

यह डॉल सिर्फ खिलौना नहीं है, इसके साथ शिशु और उसके भाव जुड़े हैं। जब पहली बार यह घर आया होगा तो इसे देख न केवल शिशु अपितु पूरा परिवार आनंदित हुआ होगा। कितने फोटो और सेल्फी इसके साथ ली होगी। शिशु ने इसमें अपने स्वरुप को देखा होगा। इसका मानवीकरण किया होगा। खुद खाते हुए इसे भी खाना खिलाने के लिए कौर बढ़ाया होगा। इसके गिरने और छिनने पर रोया होगा। ड्राइंग रूम में शोभा के लिए टीवी के पास रखा गया होगा। यह तब तक हुआ जब तक शिशु भावना रही होगी। कम उम्र में यह बच्चे की सबसे प्रिय चीज रही होगी। थोड़ा बड़ा होने पर तथाकथित शिक्षा के नाम पर उसे इससे बिछड़ कर जाना पड़ा होगा! वहां बच्चे को खेलने के खिलौने की जगह

अंग्रेजी की चित्रों वाली महंगी किताब पकड़ाई गई होगी। लाड़ की लौरी की जगह उससे गिटपिट अंग्रेजी की पोयम सुनाने की फरमाइश हुई होगी। धीरे-धीरे बस्ता हावी और भारी होता गया होगा। बच्चे के मुंह से होमवर्क के बोझ के लिए अंग्रेजी का टेंशन शब्द निकला होगा। माता-पिता बहुत खुश हुए होंगे इस अंग्रेजी शब्द से। फिर भी यदाकदा उस टेंशन से बचने के लिए प्यारे खिलौने उस डॉल की ओर बढ़ा होगा। पर पहुंच न पाया होगा। उसके प्यारे खिलौने को पहले घर की टान जैसी ऊंची जगह पर रखा गया होगा जहां हाथ न पहुंचे। फिर दिखता होगा, इसके लिए जिद हुई होगी! शायद इसलिए ऐसी जगह चुनी जहां दिखे नहीं,घर के पीछे खिड़की के ऊपर!

ऐसे में रवींद्रनाथ टैगोर की कविता याद आती है-

मां मुझे
कीमती कपड़े
मत पहनाओ
मिट्टी में न खेल सकूंगा।

अमेरिका में सावन के साथ, संस्कृति की बात

भारतीयता

मुकेश नागर
(लेखक और टिप्पणीकार)

भारत से अमेरिका जाने वाले भारतीय अकेले नहीं जाते। वे अपने साथ यहां की संस्कृति, सभ्यता, खानपान और यहां तक कि सावन के झूले और खमण-ढोकला भी ले जाते हैं। ये भारतीय रहते अमेरिका में हैं, पर इनकी धड़कन में भारतीयता बसी है। कुछ ऐसा ही इस बार सावन में सिएटल में देखने को मिला। बिल्कुल वही माहौल दिखाई दिया जो इंदौर की किसी भी गली या मोहल्ले में सावन में दिखाई दे जाता है।

इंदौरी दुनिया में कहीं भी हों, संस्कृति से अपना नाता जोड़कर रखते हैं। घूमने-फिरने के साथ भी वे अपनी सत्संग और भक्ति की संस्कृति से दूर नहीं होते, अमेरिका के सिएटल बाथेल में जब इंदौरी मिले तो घूमने-फिरने और मौज-मस्ती के साथ साथ याद आई इंदौर की संस्कृति में सावन के झूले की। जब कन्हैया अपनी राधा रानी के साथ वन में सावन के झूले झूलन की अठखेलियां करते रहे, कुछ वैसी ही यादें। भक्ति सत्संग के आयोजन के विचार के साथ ने अमेरिका के सिएटल में सभी वैष्णवों को साथ लेकर सावन में हिंडोला मनोरथ एवं भक्ति सत्संग का आयोजन किया।

भारतीय अमेरिकी साथी ने अपनी मधुर आवाज में 'मीठा-मीठा नाद वेणु ना दूर ती आवी आवी ने काने समलाए' के गुजराती भजन के साथ हिंडोला कीर्तन की शुरुआत कर भक्तिमय माहौल बना दिया। भक्तिमय माहौल में जब सबके पांव गुजराती गरबा रास के साथ थिरकने लगे तो ऐसा लगा कि हम अमेरिका में न होकर हिंदुस्तान के गुजरात के किसी शहर में गरबा खेल रहे हो।

इसके बाद यमुनाष्टक पाठ, यमुनाजी की आरती राजा रणछोड़ रायके भक्ति मय कीर्तन ने कानों में भक्ति का रस घोल दिया। अमेरिका में पाश्चात्य संस्कृति में पल रहें इंदौरी

बालक-बालिकाओं ने अपनी संस्कृति के बारे में अपनी जिज्ञासा प्रकट की। हमारी भारतीय संस्कृति में कृष्ण के सावन में हिंडोला झूलने की परंपरा, भगवान श्री कृष्ण के गो चारण, माखनचोरी की बाललीला एवं अन्य प्रश्नों का समाधान भी किया गया। व्यस्त भारतीय अमेरिकियों ने अपने दैनिक कामकाज से समय निकालकर धार्मिक आयोजन की आवश्यक सामग्री का समुचित प्रबंध कर आयोजन को पूरी तरह भारतीय रंगों में रंग दिया। किसी भी भारतीय के लिए अमेरिका में भक्ति सत्संग का ऐसा दुर्लभ अवसर मिलना सौभाग्य की बात है।

सभी बन्धु भगिनी ने सत्संग समापन के बाद भारतीय गुजराती व्यंजन खमण ढोकला, आलू टिकिया के जलपान के बाद स्वादिष्ट ठंडाई ने अमेरिका में भारतीय आतिथ्य से भी परिचय करा दिया। सभी ने इस सुंदर आयोजन की प्रशंसा करते हुए भारतीय व्यंजनों के स्वाद के साथ हिंडोला के सुन्दर दर्शनो का लाभ भी लिया। सत्संग में इंदौर से बोथेल सिएटैल आए परिवार और पुष्टि मार्गीय वैष्णवो ने सत्संग का पूरा आनंद लिया। अमेरिकी संस्कृति में पढ़ने वाले भारतीय मूल के अमेरिकी बच्चों ने भी सनातन संस्कृति परंपरा से परिचय प्राप्त कर संस्कृति से जुड़े रहते हुए सत्संग के आयोजन से भाव विभोर हो गए। उनका कहना था कि एक साथ इतने भारतीयों के मिलने पर ही ऐसा भक्तिमय आयोजन किया जाना संभव हो सकता हैं।

केन्द्रीय विद्यालय में हुआ भव्य पौधारोपण अभियान

धार। केन्द्रीय विद्यालय, धार के प्रांगण में आज एक अत्यंत प्रेरणादायक और पर्यावरण-हितैषी पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। यह विशेष कार्यक्रम विद्यालय की छात्रा अस्मिता एवं समृद्धि गौड़ के पिताजी ने उनके बड़े भैया स्व लोकेश डांगुर (गौड़) की पुण्यतिथि और कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आयोजित किया, जिसका उद्देश्य प्रकृति के प्रति प्रेम और पौधों के महत्व को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर परिजनों ने विद्यालय को अमरुद, जामुन, सीताफल, आँवला, कनेर, गुड़हल और मोगरा सहित कई अन्य प्रकार के पौधे दान किए। इन पौधों को विद्यालय परिसर में लगाने के लिए कक्षा 1 से 6 तक के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर प्रिशा, श्रेष्ठा, आराध्या खुशाली, वर्णित, परितोष, युक्ति, जैसे छात्रों ने इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य श्री नीरज अस्थाना ने किया, जिन्होंने विद्यार्थियों की सहयोग से पहला पौधा रोपित कर विद्यार्थियों को वृक्षों का महत्व और मानव जीवन पर प्रभाव को समझाते हुए इनकी देखभाल के लिए प्रेरित किया। इस पौधारोपण में प्रधानाध्यापिका दीपशीखा कुमावत, वरिष्ठतम शिक्षिका अर्चना शर्मा, श्री प्रजापति कैलाश राम और अन्य शिक्षकों ने भी छात्रों के साथ मिलकर सहयोग किया। सभी ने मिलकर पौधे लगाए और इन पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। इस आयोजन के माध्यम से छात्रों को पौधों के नाम, गुण, महत्व और वृक्षारोपण की प्रक्रिया के बारे में जानने का अवसर मिला। यह अभियान छात्रों में पौधों और प्रकृति की देखभाल तथा उनके प्रति प्रेम जैसे महत्वपूर्ण मूल्यों को विकसित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हुआ। इस पहल ने न केवल विद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाया, बल्कि भावी पीढ़ियों में पर्यावरण संरक्षण की भावना भी जगाई। इस कार्यक्रम में हिन्द शक्ति संस्था सदस्य केशव पाटीदार, दिनेश चौहान, राकेश दामके आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय के शिक्षक अभिषेक कुमार ने दी।

धार जिले के 821 बूथ केंद्र पर सुनी गई पीएम मोदी की मन की बात

भाजपा जिला अध्यक्ष निलेश भारती और विधायक नीना वर्मा ने नगर मंडल के बूथ क्र.56 में बूथ भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सुनी

धार। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात का कार्यक्रम 27 जुलाई रविवार को 124 वें लाइव प्रसारण के माध्यम से राष्ट्र को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी अपने अनुकरणीय विचारों के जन-जन तक, कार्यकर्ता सर्व समाज को एकत्रित करते हुए श्री मोदी जी के विचारों को सुनी गई। भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती और धार विधायक नीना वर्मा ने 'मन की बात' कार्यक्रम को धार नगर मंडल के बूथ क्र.56 में बूथ कार्यकर्ताओं के साथ सुनाइस अवसर पर भाजपा नेता अनिल जैन बाबा भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विशाल निगम भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा मंडल महामंत्री अमित शर्मा और सीमा सोनी मंजुला बघेल सहित कार्यकर्ता उपस्थित उपस्थित थे। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम, जिले के सभी 18 मंडलों के 821 बूथ केंद्र पर स्क्रीन टीवी लगाकर सर्व समाज को कार्यकर्ता जागरूक होकर के साथ सुनवाया।भाजपा जिला अध्यक्ष निलेश भारती ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात, के विचार युवाओं किसानों गरीबों और मजदूर महिलाओं योग शिक्षा स्वच्छता एवं खेल तथा निर्धारित विषयों के साथ अपना मार्गदर्शन किया है। उन्होंने कहा श्री मोदी जी के इस कार्यक्रम के माध्यम से हर समाज में जागरूकता आई है सभी कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने बूथ पर सुबह 11 बजे बड़ी स्क्रीन लगाकर सर्व समाज के लोगों को एकत्रित करते हुए इस कार्यक्रम को प्रभावी रूप से संपन्न करते हुए मोदी जी के मन की बात के विचारों को लोगों सुनवाया।

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर के विशेष प्रयासों से धार - महू लोकसभा क्षेत्र में 650 सड़कों की स्वीकृति केंद्र सरकार ने प्रदान की

धार। केंद्रीय राज्यमंत्री एवं धार - महू लोकसभा क्षेत्र सांसद सावित्री ठाकुर के विशेष प्रयासों से धार महू लोकसभा क्षेत्र की लगभग 650 सड़कों की स्वीकृति केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई है। उक्त सड़कों की स्वीकृति

किए जाने पर श्रीमती ठाकुर ने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का लोकसभा क्षेत्र की जनता की ओर से आभार व्यक्त किया है। करोड़ों रुपयों की लागत से बनने वाली यह सड़कें दूर दराज के गांवों को मुख्य सड़क मार्ग से जोड़ने का कार्य करेंगे जिससे वहां आवागमन तो सुलभ होगा ही इसके साथ ही रोजगार के अवसरों में भी बढ़ोतरी होगी। यहां उल्लेखनीय की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है जिसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों को यातायात सुलभता हेतु सड़क मार्गो से जोड़ा जाता है और इसका फंड केंद्र सरकार द्वारा अलग से जारी किया जाता है।लोकसभा क्षेत्र के दूर दराज स्थित आदिवासी क्षेत्रों के मुजरे टोलों को भी भविष्य में पक्की सड़कों से जोड़ा जाएगा इस हेतु श्रीमती ठाकुर ने प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। श्रीमती ठाकुर लोक सभा क्षेत्र के चौमुखी विकास हेतु निरंतर कार्य कर रही है इसी के अंतर्गत आपने जनवरी माह वर्ष 2025 में ही प्रधानमंत्री सड़क योजना से संबंधित समस्त अधिकारियों को लोकसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं सरपंचों मंडल अध्यक्षों आदि के साथ एक कार्यक्रम आयोजित किया जाकर समस्त जानकारी से अवगत करवाया था।

डेंगू-मलेरिया के प्रति लोगों को किया जा रहा जागरूक, बांटी साढ़े तीन लाख मच्छरदानियां

5 लाख 91 हजार घरों में सर्वे, 1516 जगह नष्ट किया लार्वा

बैतूल। जिले में मलेरिया और डेंगू की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने अब तक 5.91 लाख से ज्यादा घरों का सर्वे किया है। इस दौरान 1516 घरों में लार्वा पाया गया, जिसे टीम ने नष्ट किया। हालांकि, अब तक जिले में डेंगू का एक भी मरीज सामने नहीं आया, जो राहत की बात है। वैसे स्वास्थ्य विभाग डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों को लेकर सतर्क है और लगातार फॉगिंग, लार्वा नष्ट करने की दवा का छिड़काव कर आमजन को भी जागरूक किया जा रहा है कि घरों के आसपास पानी जमा न होने दे। जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य विभाग ने जनवरी से लेकर जून तक 6 माह में करीब 5 लाख 91 हजार 915 घरों का सर्वे किया और 1516 घरों में लार्वा को नष्ट किया। वहीं 1 लाख 1 हजार 486 स्लाइड बनाई है। जिसमें दो मलेरिया के मरीज मिले, वहीं डेंगू का एक भी मरीज नहीं मिला है। जबकि 2024 में डेंगू के 59 मरीज मिले थे और मलेरिया के 5 मरीज सामने आए थे। वर्ष 2022 एवं 2023 में मलेरिया के 4 और वर्ष 2021 में मलेरिया के 6 मरीज सामने आये थे।

विभाग चला रहा जागरूकता अभियान

जिले में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग शहर समेत ग्रामीण क्षेत्रों में फोकस कर रहा है। जहां पर भी जलजमाव होने की स्थिति बनी हुई है उसे खाली करवाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार सबसे ज्यादा लार्वा कूलर, पुराने टायर, छत पर रखे ड्रम और गमलों में पनपते है। लोगों को लगता है कि घर साफ है, तो बीमारी नहीं होगी। लेकिन असली खतरा उन्हीं जगहों में है जहां नजर नहीं जाती। जिला मलेरिया अधिकारी जितेन्द्र सिंह राजपूत ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम डोर-टू-डोर जाकर लार्वा की जांच कर रही है। आशा व एएनएम भी घर-घर जाकर लोगों को मच्छरों से बचाव के उपाय बता रही हैं। गांवों में शिविर लगाए जा रहे हैं। स्कूलों और गांवों में लोगों

को लार्वा न पनपे, इसके लिए क्या करें, इसकी जानकारी दी जा रही है।

पिछले दो साल में बांटी साढ़े तीन लाख मच्छरदानिया

जिले में मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने पिछले दो साल में साढ़े तीन लाख मच्छरदानियों का वितरण किया गया है। जिला मलेरिया अधिकारी श्री राजपूत ने बताया कि पिछले वर्ष यानि 2024 में 2 लाख 60 हजार मच्छरदानियों का वितरण पूरे जिले में किया था। इसके पहले वर्ष 2023 में करीब 99 हजार मच्छरदानियां बांटी गई थी। सबसे अधिक मच्छरदानी ग्रामीण क्षेत्रों में वितरित की गई। इसके साथ ही लोगों को डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। ताकि मलेरिया-डेंगू जैसी बीमारी पॉव न पसार सके और लोग सुरक्षित रहे।

नहीं मिला डेंगू का एक भी मरीज

वैसे स्वास्थ्य विभाग द्वारा मानसून की शुरुआत के बाद से जिले में डेंगू का एक केस भी नहीं होना बताया जा रहा है, लेकिन ऐसा माना जाता है कि डेंगू का पीक सीजन सितंबर अंत से अक्टूबर के बीच आता है। ऐसे में हर साल गतिविधि करने के बावजूद केस नहीं थमने के तीन कारण यह है कि शहर में पानी निकासी के इंतजाम फेल है, क्योंकि आधे घंटे की तेज बारिश में ही नाले ओवरफ्लो होने से पानी जमा होता है। वहीं शहर में अधिकांश कॉलोनियों में प्लाटों में भी पानी जमा होने से वहां भी मच्छरों की तादाद बढ़ती है। तीसरा कारण यह है कि मौसम ठंडा व गर्म बना रहने से मच्छरों को पनपने के लिए अनुकूल वातावरण मिल जाता है। इससे भी लार्वा पनपता है।

सावधानी और जागरूकता ही बीमारियों से बचाव

डेंगू और मलेरिया से सुरक्षा और सावधानी ही इससे बचाव का एकमात्र तरीका है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मलेरिया का कारक मादा एनाफिलीज मच्छर एक व्यक्ति को काटने के बाद ही सुस्त हो जाता है। लेकिन डेंगू फैलाने वाला एडिज मच्छर एक बार में आठ से दस लोगों को काटता है। डेंगू वायरस जनित बीमारी होने के कारण इसका संक्रमण तेजी से फैलता है। इससे बचने के लिए सावधानी रखना और मच्छरों से बचाव ही एकमात्र तरीका है। डेंगू हो जाए तो इसकी जांच और इलाज जिला अस्पताल में निशुल्क उपलब्ध है।

इनका कहना है -

जनवरी से जून तक 5 लाख 91 हजार से अधिक घरों में सर्वे किया गया, जिसमें से 1516 घरों में लार्वा नष्ट किया है। इस दौरान मलेरिया के 2 मरीज मिले है वहीं डेंगू का एक भी मरीज सामने नहीं आया।

- जितेन्द्र सिंह राजपूत, जिला मलेरिया अधिकारी, बैतूल

हाईटेंशन लाइन का केबल गार्ड टूटा, बंद रहा रेलवे ट्रैक

केबल टूटने से कई ट्रेनें हुई प्रभावित, अलग-अलग स्टेशनों पर खड़ी रही गाड़ियां

बैतूल। बैतूल में नई दिल्ली-चेन्नई रेलवे ट्रैक पर हाईटेंशन लाइन का केबल गार्ड टूटकर ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) लाइन पर गिर गया। इससे नई दिल्ली और चेन्नई की ओर जाने वाले दोनों ट्रैक बंद कर दिए गए। इस दौरान 11 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं।

जानकारी के अनुसार घटना रविवार तड़के 3 बजे कोसमी इंडस्ट्रियल एरिया के पास रेलवे ट्रैक पर हुई। 4 घंटे की मशक्कत के बाद करीब 7 बजे डाउन ट्रैक (दिल्ली से चेन्नई) पर सुधार किया गया, जिसके बाद यातायात बहाल कर दिया गया। वहीं, सुबह 8 बजे अप ट्रैक (चेन्नई से दिल्ली) भी शुरू कर दिया गया। केबल गार्ड टूटने के तुरंत

बाद रेलवे के तकनीकी विशेषज्ञ, निरीक्षण दल और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गए। सुधार कार्य के दौरान दिल्ली की ओर जाने वाली कई ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों पर रोका गया।

चेन्नई की ओर जाने वाली ये ट्रेनें देरी से चल रहीं- राजधानी एक्सप्रेस 2 घंटे, दूरंतो एक्सप्रेस डेढ़ घंटा, जबलपुर एक्सप्रेस 2 घंटे, पातालकोट एक्सप्रेस 3 घंटे, गोंडवाना एक्सप्रेस साढ़े 3 घंटे, एपी एक्सप्रेस डेढ़ घंटा और जयंती एक्सप्रेस ढाई घंटा देरी से चल रही हैं। जानकार सूत्रों के अनुसार केबल गार्ड टूटने से नई दिल्ली और चेन्नई की ओर जाने वाले दोनों ट्रैक बंद कर दिए गए। 11 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। पेंचवेली एक्सप्रेस को पांच घंटे बैतूल स्टेशन पर रोका गया। समता एक्सप्रेस मलकापुर 4 घंटे, त्रिकुल एक्सप्रेस ढाई घंटे, जयंती एक्सप्रेस 2 घंटे देरी से चली।

पुलिस विभाग में प्रशासनिक कसावट के लिए थाना प्रभारियों के स्थानांतरण

बैतूल। जिले में कानून व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक निश्चल झरिया द्वारा प्रशासनिक दृष्टिकोण से पुलिस विभाग में थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों के पदस्थापना में बदलाव किए गए हैं। जिसमें मनोज उइके थाना प्रभारी झल्लार से थाना रानीपुर, वंशज श्रीवास्तव चौकी प्रभारी मासोद से चौकी प्रभारी पाथाखेड़ा, थाना सारनी, उत्तमनंदन सत्कार थाना बैतूल बाजार से थाना कोतवाली, वहीद खान चौकी प्रभारी पाथाखेड़ा से थाना प्रभारी झल्लार, नरेंद्र उइके थाना कोतवाली से थाना बैतूल बाजार, रणवीर सिंह राजपूत थाना गंज से चौकी प्रभारी मासोद, सत्यप्रकाश सक्सेना थाना प्रभारी आमला से थाना प्रभारी चोपना, राजेश सातनकर थाना प्रभारी चोपना से थाना प्रभारी आमला, सरविंद धुर्वे थाना गंज से थाना भैंसदेही, नीरज पाल थाना भैंसदेही से थाना गंज स्थानांतरित किया है। दरअसल विगत दिनों आयोजित अपराध समीक्षा बैठक में समस्त थाना प्रभारियों के कार्यों की गहन समीक्षा की गई थी। समीक्षा उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा आवश्यक निर्देश जारी किए गए थे तथा उसी अनुक्रम में विभाग की कार्यप्रणाली को अधिक कसावट देने हेतु यह पदस्थापना आदेश जारी किया गया है। इन स्थानांतरणों का प्रमुख उद्देश्य कानून व्यवस्था को मजबूत करना, अपराधों की रोकथाम को सुनिश्चित करना तथा पुलिसिंग को अधिक जवाबदेह एवं संवेदनशील बनाना है। प्रशासनिक दृष्टि से किए गए इन परिवर्तन से जिले की पुलिस व्यवस्था में और अधिक पारदर्शिता, अनुशासन व तत्परता लाई जा सकेगी। पुलिस अधीक्षक निश्चल झरिया ने विश्वास व्यक्त किया है कि इन बदलावों से पुलिस विभाग में प्रशासनिक कसावट आएगी, कार्य निष्पादन की गति तेज होगी तथा जनता को बेहतर पुलिसिंग का लाभ मिलेगा।

महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर की आत्महत्या

बैतूल। एक विवाहिता ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। 29 वर्षीय महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसने दम तोड़ दिया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि उसे ब्लैकमेल कर रुपए ठगने का प्रयास किया गया था। घटना चोपना थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि महिला ने अपना निजी फोटो वायरल होने के बाद आहत होकर जहर खा लिया था। जिसका उपचार कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि महिला की शादी 2011 में गोपालपुर निवासी युवक से हुई थी। उसका पति वर्तमान में राजस्थान की एक कंस्ट्रक्शन साइट पर सुपरवाइजर के रूप में कार्यरत है। दंपति के दो बच्चे हैं, एक 9 साल का और दूसरा 4 साल का। सोमवार को महिला ने घर पर कीटनाशक पी लिया। उस समय उसका भांजा घर पर मौजूद था। जब उसे घबराहट होने लगी, तब उसने खुद बताया कि उसने जहर खा लिया है। परिजनों ने उसे तुरंत घोड़ाडोंगरी के अस्पताल में भर्ती कराया। वहां दो दिन इलाज के बाद उसे पाढर मिशन अस्पताल ले जाया गया। फिर नागपुर रेफर किया गया।नागपुर में तीन दिन इलाज के बाद उसे वापस बैतूल लाया गया, लेकिन बीती रात उसने दम तोड़ दिया। परिजनों ने बताया कि जब महिला की हालत गंभीर थी, वह किसी व्यक्ति का नाम लेना चाहती थी, लेकिन आवाज नहीं निकल पाई। फिलहाल पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

विधायक बैतूल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने लिया सहभाग

मन की बात कार्यक्रम बज्जरवाड़ा में हुआ सम्पन्न

बैतूल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का रविवार को जिले के घोड़ाडोंगरी ब्लॉक के ग्राम बज्जरवाडा में विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय ग्रामीणों ने सहभागिता कर प्रधानमंत्री जी के विचारों का श्रवण किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बैतूल हेमंत खंडेलवाल, विधायक घोड़ाडोंगरी श्रीमती गंगाबाई उईके, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा) मोहन नागर, पूर्व बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष राघवेंद्र शर्मा, समाजसेवी एवं शिक्षाविद श्रीमती ऋतु खंडेलवाल, सुधाकर पवार, सरपंच श्रीमती स्नेहलता इवने, कमलेश सिंह, नंदन यादव , रामसिंह काकोडिया सहित कई जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का मन की बात कार्यक्रम हमेशा समाज और संस्कृति के लिए प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में आत्मनिर्भर और विकसित भारत की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और समूहों का उल्लेख किया गया, जो हम सभी के लिए मार्गदर्शक हैं। विधायक खंडेलवाल ने जानकारी दी कि बैतूल जिले की स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए जिला स्तर पर एक केंद्र बनाया जाएगा। साथ ही ग्राम स्तर पर विक्रय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए बज्जरवाडा और बांचा की तर्ज पर अन्य गांवों में भी होम स्टे विकसित किए जाएंगे, ताकि पर्यटक जनजातीय परंपराओं से परिचित हो सकें। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में कोदो, कुटकी, ज्वार और बाजरा जैसे पोषक अनाजों (मिलेट्स) के उत्पादन को और अधिक प्रोत्साहित किया जाए, जिससे बैतूल जिला जनजातीय क्षेत्रों के लिए एक मॉडल बन सके।

कार्यक्रम में सोहन नर्रे और उनके ग्रुप ने आकर्षक जनजातीय गीत प्रस्तुत किए, जिनकी सराहना करते हुए विधायक श्री खंडेलवाल ने उन्हें 21,000 और विधायक श्रीमती उईके ने 10,000 की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। पर्यावरण संरक्षण और महिला सहभागिता को बढ़ावा देने हेतु नवांकुर सखी योजना के अंतर्गत पांच दिवसीय हरियाली यात्रा के तहत पौधों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्थानीय ग्रामीणों, संस्थाओं एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सभी अतिथियों का पुष्पमालाओं से आत्मीय स्वागत किया गया।

जन परिषद के ब्यूटी पेजेंट में विदया जोशी बनीं मिसेज यूनिवर्स

बैतूल। महिला सशक्तिकरण के दृष्टिकोण से इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ पीपुल एवं जन परिषद के संयुक्त तत्वावधान में गत दिवस ऑनलाइन ब्यूटी पेजेंट सीजन चार का फाइनल राउंड आयोजित किया। प्रतियोगिता में चार विभिन्न कैटेगरीज में लगभग 31 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। संचालन महेंद्र जोशी एवं नितिन श्रीवास्तव ने किया। मिस यूनिवर्स टाइटैनिक ब्यूटी आशिता कोचर एवं मिस यूनिवर्स टाइटैनिक ब्यूटी हर्षल बजाज, मिसेज यूनिवर्स टाइटैनिक ब्यूटी श्रीमती प्रगति सेठ एवं सिंधी फिल्मों की नायिका, 3000 से अधिक सम्मान प्राप्त एवं 23 मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करिश्मा मानी की जूरी ने ,पूर्व में हुए दो राउंड और आज के फाइनल राउंड के बाद परिणाम इस प्रकार घोषित किए। जिसमें मिसेज यूनिवर्स टाइटैनिक ब्यूटी विजेता (डायनेमिक पर्सनेलिटी) सुश्री विदया जोशी पटेल (यूएई), मिसेज यूनिवर्स टाइटैनिक ब्यूटी विजेता रनर अप (चार्मिंग पर्सनेलिटी) सुश्री दिव्या चौधरी (आगरा), मिस यूनिवर्स टाइटैनिक ब्यूटी उप विजेता (फोटोजेनिक पर्सनेलिटी) सुश्री रागिनी द्विवेदी (मुंबई), मिसेज इंडिया टाइटैनिक ब्यूटी विजेता (हंबल पर्सनेलिटी) श्रीमती रुक्मणि गावड़े (भोपाल) और लिटिल बेबी टाइटैनिक रॉकस्टार बेबी क्यारा (भोपाल) संस्था के संयोजक रामजी श्रीवास्तव एवं महासचिव अजय श्रीवास्तव नीलू ने सभी विजेताओं को बधाईयां संप्रेषित एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार प्रगट किया।

जब बह निकली ताप्ती जलधारा, नगर में उत्साह

ताप्ती का ओवरफ्लो होना माना जाता है अच्छी वर्षा का संकेत

बैतूल/मुलताई। ताप्ती सरोवर के तट बंधनो को पार कर मां ताप्ती की पावन धारा बह निकली और नगरवासियों के उत्साह का ठिकाना नहीं रहा, यह जानकारी लगते ही बड़ी संख्या में श्रद्धा ताप्ती तक पहुंचे और बड़ी संख्या में महिला पुरुष ताप्ती जलधारा का आनंद लेते दिखाई दिए। जब ताप्ती जलधारा ताप्ती कुंड (सरोवर) की सीमाओं को लांघती हुई दोनों शिव मंदिरों के मध्य बनी सीढ़ियों से गुजर कर प्राचीन ताप्ती मंदिर के समक्ष बने सूर्य कुंड में प्रवेश करती है तो संपूर्ण नगर में उत्साह का ठिकाना नहीं होता। ताप्ती के ओवरफ्लो होने को अच्छी वर्षा का संकेत माना जाता है। ताप्ती सरोवर एवं शनि सरोवर पर नगर सहित क्षेत्र के जल स्त्रोत भी निर्भर होते हैं। यही कारण है कि ताप्ती का ओवरफ्लो होना एक पर्व बनता जा रहा है। श्रद्धालु ताप्ती तट पहुंचकर ताप्ती जलधारा में स्नान करते हैं। मां ताप्ती का पूजन पाठ करते हैं। उत्साही युवा गाजे बाजों के साथ ताप्ती तट पहुंचते हैं संस्थाएं मिष्ठान वितरण करती है। ताप्ती नदी पूरब से पश्चिम की ओर बहने वाली भारत की सबसे लंबी और प्रमुख नदियों में से एक है। जो 3 प्रदेशों की जीवन रेखा मानी जाती है। ताप्ती जलधारा मुलताई ताप्ती कुंड सरोवर से निकलकर मध्य प्रदेश की सीमाओं में सतपुड़ा की घाटीय श्रंखलाओ को पार करती है और अपने तटों पर अनेक संस्कृतियों का पोषण करते हुए मध्य प्रदेश से महाराष्ट्र के खानदेश के पठार से गुजरती है इसके बाद सूरत गुजरात के मैदानों को समृद्धि से सिंचकर खंभात की खाड़ी में विलीन हो जाती है। और इस प्रकार ताप्ती नदी का 740 किलोमीटर का सफर पूर्ण होता है।

ब्रह्मकुमारीज का घर बने मंदिर विषय पर कार्यक्रम संपन्न

बैतूल। जहां प्यार सम्मान और विश्वास होता है वहीं घर मंदिर बन सकता है। यह विचार ब्रह्माकुमारीज भाग्य विधाता भवन में आयोजित युवा प्रभाग के कार्यक्रम घर बने मंदिर विषय पर आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी जी ने व्यक्त किए। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह मंदिर बनाने के लिए सबसे पहले उसमें रहने वाले देवी देवताओं की जरूरत होती है।

जिले में पिछले 24 घंटे में 48.6 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

बैतूल। जिले की औसत वर्षा 1083.9 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 484.5 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 416.4 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 27 जुलाई 2025 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 48.6 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 27 जुलाई 2025 को प्रातः 8 बजे तक तहसील बैतूल में 43.6, घोड़ाडोंगरी में 10.0, चिचोली में 70.0, शाहपुर में 30.0, मुलताई में 19.0, प्रभात पट्टन में 47.4, आमला में 35.0, भैंसदेही में 56.0, आठनेर में 80.3. तथा भीमपुर में 95.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

हरियाली यात्रा को जनांदोलन का रूप देने में नवांकुर सखियों की भूमिका सराहनीय: विधायक

नवांकुर सखियों को विधायक हेमंत खंडेलवाल ने उपहार स्वरूप दिए बेलपत्र पौधे

बैतूल। जन अभियान परिषद द्वारा संचालित नवांकुर सखी हरियाली यात्रा के अंतर्गत विकासखंड घोड़ाडोंगरी के प्रस्फुटन ग्राम बज्जरवाड़ा में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने पंजीकृत नवांकुर सखियों को उपहार स्वरूप 11 बेलपत्र पौधे भेंट किए। कार्यक्रम की गरिमामयी शुरुआत जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी द्वारा प्रदेश अध्यक्ष श्री खंडेलवाल का शाल, श्रीफल एवं बेलपत्र पौधे से स्वागत कर की गई। इस अवसर पर मंच पर उपस्थित मध्यप्रदेश जन अभियान

परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, घोडाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके, उपाध्यक्ष जिला पंचायत हंसराज धुर्वे, डॉ. राघवेंद्र शर्मा, सुधाकर पंवार, ग्राम सरपंच श्रीमती स्नेहलता इवने, तथा समाजसेवी श्रीमती ऋतु खंडेलवाल ने भी सखियों को पौधे भेंट कर उनका सम्मान बढ़ाया। विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान तथा हरियाली यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि यह यात्रा केवल पौधारोपण नहीं बल्कि प्रकृति के प्रति श्रद्धा, सुरक्षा और संवेदनशीलता का प्रतीक है, जिसमें महिलाओं की भूमिका प्रेरणादायक है। उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं जनभागीदारी की महत्ता को रेखांकित करते हुए अभियान की पृष्ठभूमि को साझा किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन विकासखंड समन्वयक श्री संतोष सिंह राजपूत, नवांकुर संस्था सृजन सेवा समिति अध्यक्ष श्री पवन परते, एवं प्रस्फुटन समिति के सक्रिय सहयोग से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सभी उपस्थित जनों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भी सामूहिक रूप से सुना। कार्यक्रम के अंत में कलश यात्रा का आयोजन हुआ, जिसमें उपाध्यक्ष मोहन नागर एवं विधायक श्रीमती गंगा उइके ने गोंडी लोकगीत एवं डंडार नृत्य में सखियों के साथ सहभागिता निभाई।

कलेक्टर ने खाद-बीज की कालाबाजारी करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने के दिए निर्देश

उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रय केंद्रों का किया जाए औचक निरीक्षण - कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने भैरूंदा जनपद के विभिन्न मूंग उपार्जन केंद्रों, डबल लॉक फर्टिलाइजर स्टॉक केंद्र तथा निजी उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि किसानों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा उपार्जन एवं वितरण प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि उपार्जन, भंडारण और वितरण से जुड़ी समस्त गतिविधियों की निरंतर निगरानी रखें, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और किसान को वास्तविक लाभ मिले। निरीक्षण के दौरान भैरूंदा एसडीएम श्री मदनसिंह रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रय केंद्रों का निरीक्षण

श्री बालागुरू के. ने भैरूंदा क्षेत्र के निजी उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रय केंद्रों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में संचालित सभी उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रय केंद्रों का नियमित औचक निरीक्षण किया जाए तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी, स्टॉक छिपाने अथवा जिले से बाहर अवैध रूप से उर्वरक एवं बीजों के स्थानांतरण करने पर कठोर कार्रवाई की जाए। ताकि जिले में उर्वरकों एवं बीज की कमी न हो और जिले के किसानों को समस्याओं का समाना नही करना पड़े।

डबल लॉक फर्टिलाइजर स्टॉक केंद्र का निरीक्षण

कलेक्टर श्री बालागुरू के. भैरूंदा स्थित डबल लॉक फर्टिलाइजर स्टॉक केंद्र का निरीक्षण किया। डबल लॉक फर्टिलाइजर स्टॉक केंद्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने उर्वरकों की सुरक्षित भंडारण व्यवस्था, समय पर वितरण और गुणवत्ता की निगरानी के संबंध अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले की मांग के अनुसार समय पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि किसानों की फसलें प्रभावित न हों।

मूंग उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण

भादाकुई स्थित मूंग उपार्जन केंद्रों पर निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि किसानों द्वारा बुक किए गए स्लॉट्स का समय किसी भी स्थिति में व्यर्थ न जाए। प्रत्येक किसान को उपार्जन के लिए निर्धारित समय पर ही उपार्जन किया जाए ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्रों पर एफएक्यू मानकों के अनुरूप ही मूंग की खरीदी सुनिश्चित की जाए और इस प्रक्रिया में कोई लापरवाही न हो। इसके साथ ही उन्होंने उपार्जन केंद्रों पर पेयजल, बैठने की व्यवस्था, तौल कांटे की सटीकता तथा बारदानों की उपलब्धता जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्हें सुव्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपार्जन केंद्रों पर मूंग विक्रय के लिए आए किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपार्जन के दौरान किसानों की समस्याओं का तुरंत निराकरण किया जाए।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने की समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी कार्य की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने समर्थन मूल्य पर मूंग उपार्जन कार्य की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अभी तक उपार्जित मूंग और किसानों को राशि भुगतान की जानकारी लेते हुए कृषि तथा सहकारिता विभाग के अधिकारियों को उपार्जन केन्द्रों का सतत् निरीक्षण कर उपार्जन कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी उपार्जन केन्द्र से समस्या की जानकारी प्राप्त होते ही त्वरित रूप से निदान किया जाए। उन्होंने उपार्जित मूंग का सुरक्षित रूप से भण्डारण सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने निर्देश दिए कि मूंग विक्रय हेतु आने वाले किसानों को असुविधा ना हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। मूंग उपार्जन कार्य में अनावश्यक विलम्ब ना हो तथा किसानों को अधिक समय तक इंतजार ना करना पड़े। बैठक में उप संचालक कृषि ने बताया कि समर्थन मूल्य पर मूंग उपार्जन हेतु 42423 किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। मूंग उपार्जन उपरांत किसानों को राशि भुगतान संबंधी कार्यवाही त्वरित रूप से की जा रही है। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा जल जीवन मिशन के तहत जिले में एकल नल जल योजनाओं तथा समूह नल जल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही रोड रेस्टोरेशन कार्य गुणवत्ता के साथ समयावधि में किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की विभिन्न माध्यमों से किसानों को दी जा रही है जानकारी

रायसेन (निप्र)। फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान/जोखिमों की भरपाई हेतु भारत सरकार की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत ऋणी तथ अऋणी दोनों ही प्रकार के किसान अपनी अधिसूचित फसलों का अधिसूचित क्षेत्र हेतु 31 जुलाई 2025 तक बीमा करा सकते है। किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा फसल बीमा कराने से होने वाले लाभ के बारे में विभिन्न माध्यमों से जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत निःशुल्क कृषक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन विंटेज सीएससी एकेडमी में एसबीआई जनरल इंश्योरेंस एवं सीएससी के द्वारा किया गया। जिसमें भोपाल के नोबेल मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पिटल एवं एएसजी आई हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम द्वारा कृषकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने उदयपुरा में पीएमश्री शासकीय कन्या शाला और छिकरा गौशाला का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा उदयपुरा स्थित पीएमश्री शासकीय कन्या शाला का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने प्राचार्य तथा शिक्षकों से विद्यालय में कक्षावार बालिकाओं की संख्या, नवप्रवेशित बालिकाओं की संख्या, शाला में पदस्थ शिक्षकों तथा अध्यापन कार्य और बालिकाओं को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण की जानकारी ली। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने विभिन्न कक्षाओं का निरीक्षण किया और छात्राओं से गणित के सवाल हल करवाकर उनका शैक्षणिक स्तर जाना। उन्होंने प्राचार्य और शिक्षकों को निर्देश दिए कि शाला में सभी शिक्षक समय पर उपस्थित रहें और बालिकाओं को पूरे मनोयोग से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। इसके उपरांत कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा उदयपुरा विकासखण्ड में ही ग्राम पंचायत किरगीकलां के छिकरा में शासकीय गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां गौवंश की संख्या, चारा-पानी, टीकाकरण आदि की जानकारी ली। साथ ही गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रयास करने के लिए कहा।

गोदामों का सतत निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन जारी

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के द्वारा दिए निर्देशों के परिपालन में उपार्जन केंद्र गोदाम का निरीक्षण किया जा रहा है, इसी कड़ी के तहत आज नटेरन तहसील के अंतर्गत आने उपार्जन केंद्रों (गोदामों) का निरीक्षण खंडस्तरीय खाद्य आपूर्ति अधिकारी श्रीमती मीना सोनी, कृषि विभाग से श्री अभिषेक जैन, श्री राघवेंद्र अहिरवार, सुश्री शालिनी रघुवंशी एवं एमपीडब्ल्यूएलसी से श्री अमित जाट की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान चना, मसूर एवं सरसों के स्कंधो का भौतिक सत्यापन एवं गुणवत्ता का निरीक्षण तय मापदंडों के अनुरूप किया गया है।

दस्तक अभियान के तहत 5 वर्ष तक बच्चों की हो रही स्वास्थ्य जांच

हरदा (निप्र)। प्रदेश में बाल मृत्यु के प्रकरणों में कमी लाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा दस्तक अभियान प्रारम्भ किया गया। यह अभियान 16 सितम्बर तक जारी रहेगा। अभियान के तहत जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों में 5 वर्ष तक के बच्चों की स्क्रीनिंग कर समुचित उपचार किया जा रहा है तथा उन्हें विटामिन 'ए' की दवा भी पिलाई जा रही है। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त दल एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व आशा कार्यकर्ता द्वारा घर-घर दस्तक देकर प्रत्येक बच्चे की जांच की जा रही है। इस दौरान निमोनियाग्रस्त बच्चों की जॉच व इलाज, कुपोषित की जॉच व उसे पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती करने, दस्त रोग डायरिया से पीड़ित बच्चों के पालकों को ओआरएस घोल बनाने के संबंध में भी जानकारी दी जा रही है।

जनजातीय कार्य विभाग सहायक आयुक्त ने कन्या शिक्षा परिसर बैतूल का किया आकस्मिक निरीक्षण

बैतूल (निप्र)। जनजातीय कार्य विभाग सहायक आयुक्त के द्वारा कन्या शिक्षा परिसर बैतूल का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान छात्रावास में साफ-सफाई का अभाव पाया गया। शौचालय, स्नानागार भी गंदे पाये गये। छात्राओं को भोजन एवं नाश्ता मीनू अनुसार प्रदाय नहीं किया जाना पाया गया। शुद्ध पेयजल के लिए आर.ओ. की व्यवस्था नहीं पाई गई। सीसीटीवी स्थापित नहीं किये गये है। खेलकूद सामग्री भी उपलब्ध नहीं कराई गई है। छात्राओं को बिस्तर सामग्री भी आवश्यकतानुसार उपलब्ध नहीं कराई गई है। द्वितीय तल के शौचालय बंद पाये गये, जिनके सुधार के लिए कार्यवाही नहीं की गई है। सहायक आयुक्त ने उपरोक्त कमी एवं अनियमितताओं के लिए प्राचार्य कन्या शिक्षा परिसर प्राचार्य बैतूल श्री धर्मेन्द्र सिंह ठाकुर एवं अधीक्षिका श्रीमती ज्योति विजयकर को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाकर जवाब तलब किया गया है।

सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र सिराली में 12 महिलाओं के नसबंदी ऑपरेशन हुए

हरदा (निप्र)। सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र सिराली में गुरूवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत एफ.आर.एच.एस. यूनिट बैतूल के माध्यम से नसबंदी शिविर का आयोजन किया गया।

पोषण संजीवनी अभियान के सकारात्मक परिणाम हो रहे परिलक्षित

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की पहल पर विदिशा जिले में पोषण संजीवनी अभियान अंतर्गत कुपोषित बच्चों को सुपोषण किट प्रदाय की जा रही है जिसके फलस्वरूप जिले में क्रियान्वित इस कार्यक्रम के सकारात्मक परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं। इसु कड़ी के तहत आज सुफलाम फाउंडेशन इंदौर के द्वारा विदिशा नगर के 72 सैम बच्चों को पोषण संजीवनी किट प्रदान की गई है जिसकी कीमत 3000 रुपये प्रति किट है। किट में निम्न सामग्री उपलब्ध करवाई गई है जिसमें बासमती चावल, गुड़, पाउडर, मूंगफली, दाल, मुरमुरे, अमूल घी, तेल. सफेद तिल. सत्तु मक्का, आटा, मूंगदाल, किसमिस, भूना चना, बेसन, लंच बाक्स, कम्पाक्स, रेसिपी बुक इत्यादि शामिल हैं। सुफलाम फाउंडेशन इंदौर के जिला प्रभारी डॉक्टर बी ओसवाल एवं डॉक्टर प्रतिभा ओसवाल द्वारा विदिशा शहर के पाँच आंगनबाड़ी केन्द 36 ध/152 (सरिता शर्मा), 34/147 (शिवाली वर्मा), 1/4 (सुधा सक्सेना), 1/2 (वंदनी श्रीवास्तव), 17/108 (रशीदा बी) पर भ्रमण कर सुपोषण किट वितरण किये गये हैं। इस दौरान 18 बच्चों एवं उनके माता-पिता से बच्चों के पोषण एवं उनकी वजन वृद्धि स्वास्थ्य के संबंध में चर्चा की गई, जिसमें पाया गया कि बच्चों के स्वास्थय में एवं वजन में सकारात्मक वृद्धि हुई है।

अवैध रूप से सागौन वनोपज परिवहन करते महिन्द्रा बोलेरो जप्त

रायसेन (निप्र)। जिले में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार तथा वनमण्डलाधिकारी श्रीमती प्रतिभा शुक्ला के मार्गदर्शन में अवैध रूप से वनोपज की कटाई और परिवहन करने वालों के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। उप वनमण्डलाधिकारी सामान्य सिलवानी इन्दर सिंह बारे के निर्देशन में वन परिक्षेत्र पश्चिम सिलवानी सामान्य के वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री महेन्द्र कुमार पालेचा गत रात्रि अपने दल बल के साथ चोरी रास्तों पर गश्त कर रहे थे। गश्ती के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि एक वाहन में सागौन ईमारती भरकर परिवहन की जाएगी।

मुखबिर की सूचना वन परिक्षेत्र अधिकारी महेन्द्र पालेचा द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल दी गई। मुखबिरी की शिनाख्ती के लिए रात्रि में ही दो-दो पृथक पृथक दल गठित कर चोरी रास्तों पर नाकाबंदी की गई। रात्रि लगभग 3.20 बजे साईखेड़ा से बम्होरी रोड पर रेंजर श्री पालेचा के दल को एक वाहन आता हुआ दिखाई दिया जिसे वन अमले द्वारा रूकने का संकेत दिया तो वाहन चालक वाहन को तेज गति से चलाकर भाग गया। वन अमले द्वारा वाहन का लगातार पीछा करने से वाहन चालक, वाहन को बम्होरी से वटेरा मार्ग पर खड़ा कर भाग गया। वन अमले में रेंजर महेन्द्र कुमार पालेचा के द्वारा वाहन महिन्द्रा बोलेरो जिसका रजिस्ट्रेशन नम्बर एमपी 04 जीबी 2240 की तलाशी ली गई जिसमें पाया कि सागौन ईमारती के गोल 20 नग भरे थे। मौका पंचनामा तैयार कर वनोंपज की नाप कर सूची तैयार कर जीनामा बनाया गया।

वाहन को जप्त कर मय वनोंपज रेंज कम्पाउण्ड सिलवानी लाया गया। वाहन मालिक मोनू कुशवाह पिता हीरा लाल कुशवाहा निवासी टेकापार गैरतगंज एवं चंद्रेश पिता प्रेमनारायण इमने निवासी उचैरा जमुनिया के विरूद्ध वन अपराध प्रकरण क्रमांक 47301/24 दिनांक 25 जुलाई 2025 पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। उपरोक्त जप्ती कार्यवाही में उप वनमण्डलाधिकारी सिलवानी श्री इन्दर सिंह बारे, वन परिक्षेत्र अधिकारी पश्चिम सिलवानी महेन्द्र कुमार पालेचा, कार्यवाहक वनपाल श्री अखिलेश रजक, श्री कमलेश तिवारी कार्यवाहक वनपाल एवं हरनारायण सिंह, मनोज साहू, भूपेन्द्र लोधी, वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी सभी वन रक्षक तथा वाहन चालक धर्मेन्द्र लोधी का आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

शामुक्ति के प्रति जनजागरूकता लाने कलेक्टर और एसपी ने हस्ताक्षर अभियान का किया शुभारंभ

रायसेन (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलाए जाने वाले वृहद जन-जागरूकता अभियान ''नशे से दूरी - है जरूरी'' के तहत शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में हस्ताक्षर अभियान का कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा और पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पाण्डे द्वारा हस्ताक्षर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि नशीले पदार्थो का सेवन करने से ना केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य की हानि होती है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक हानि भी होती है। नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए शासन द्वारा जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। जनजागरूकता अभियान से समाज में नशामुक्ति के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित होता है तथा नागरिक भी नशे का त्याग करने के लिए प्रेरित होते हैं। पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पाण्डे ने अभियान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 30 जुलाई तक चलाए जाने वाले इस अभियान का उद्देश्य

किशोरों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना, उन्हें इस लत से दूर रखना और जो लोग पहले से नशे की गिरफ्त में हैं, उन्हें उचित परामर्श और सहयोग प्रदान कर पुनर्वास की दिशा में मार्गदर्शन देना है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत सम्पूर्ण जिले में नशामुक्ति के लिए जनजागरूकता लाने विभिन्न जागरूकता गतिविधियां, कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हस्ताक्षर अभियान में कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पांडे, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, सहायक कलेक्टर श्री कुलदीप पटेल, अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा नशे से दूरी-है जरूरी अभियान के फ्लैक्स पर हस्ताक्षर कर सहभागिता की गई।

लार्वा सर्वे अभियान निरंतर जारी

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में जिला मलेरिया अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, नर्सिंग कालेज की छात्राऐं, दल के द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में सघन लार्वा सर्वे, आईईसी गतिविधि, ,एवं कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया। मलेरिया टीम के द्वारा 247 घरों के 1801 कंटेनर का सघन लार्वा सर्वे किया गया। जिसमें 16 घरों में लार्वा पाया गया जिसे कीटनाशक दवा के द्वारा नष्ट कराया गया है। जनसमुदाय से अपील की गई है की वह अपने घर के सभी पानी के कंटेनर, कूलर, फ्रिज , टंकिया, टायर, गमले, पशु एवं पक्षियों को रखने वाले पानी के बर्तन टंकियों एवं सकोरों को प्रति सप्ताह जांच ले की कहीं एडीज मच्छर के लार्वा तो नहीं पनप रहे व खाली कर सफाई कर दें। पानी के बड़े कंटेनर जिनकी सफाई व ढांकना संभव न हो तो उनमें मीठा तेल प्रति सप्ताह डालें। मच्छरों के

काटने से स्वयं बचाव करे, पूरे शरीर ढकने वाले कपड़े पहने, दिन के समय बच्चों व वृद्धों एवं गर्भवती माताओं को मच्छरदानी के अंदर सोने की सलाह दी जावे, मॉस्किटो कॉइल का उपयोग करे, शाम के समय नीम पत्तियों का धुआं करे। तेज बुखार, आंखों के पीछे दर्द, शरीर पर चकत्ते, मांसपेशियों में दर्द, जोड़ो में दर्द, नाक व मसूड़ों से रक्तस्राव होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क कर डेंगू की जांच जिला चिकित्सालय विदिशाध्अटल बिहारी वाजपेयी मेडीकल कालेज में डेंगू एलिसा टेस्ट निःशुल्क कराए। इस प्रकार जिले में डेंगू के संचरण के प्रसार को समाप्त या कम करने में सहयोग करें।

जिला पंचायत की सामान्य बैठक सम्पन्न

विदिशा (निप्र)। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी की अध्यक्षता में जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई थी। जिला पंचायत के सभागार में सम्पन्न हुई इस बैठक में सभी सम्माननीय सदस्यगणो के अलावा विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहे। बैठक की शुरूआत में विगत बैठक के पालन प्रतिवेदन से शुरू हुई उक्त बैठक में सदस्यों द्वारा अनेक सुझावो से अवगत कराया गया जिन पर अमल करने हेतु संबंधित विभागो के अधिकारियों को जिला पंचायत सीईओ द्वारा निर्देशित किया गया है। बैठक में बतलाया गया कि सड़को पर विचरण करने वाले गौवंश खासकर ग्रामीण क्षेत्रो की सड़के व एनएच से गौवंशो को सुरक्षित स्थलो पर पहुंचाने के लिए विशेष पहल जिले में की जा रही है इसके लिए चिन्हित छह स्थलों पर अस्थायी गौशाला के स्वरूप को उन्नत किया जा रहा है। वर्षाकाल के दौरान जिले के किसी भी ग्रामीण क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अनहोनी ना हो इसके लिए प्रशासन द्वारा पूर्व में जारी निर्देशो का पालन सुनिश्चित कराया जाया खासकर पुल पुलियों पर वर्षारूपी जल बहाव के दौरान यातायात ना हो इसके लिए सुरक्षा के तौर पर बेरिकेट लगाने व ग्राम स्तरीय अमले की तैनाती पर बल दिया गया है। बैठक में ग्रामीण विकास विभाग, राजस्व विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के मैदानी कर्मचारियो की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए जियो लोकेशन प्रणाली का अनिवार्य क्रियान्वयन प्रस्ताव पर चर्चा कर निर्णय लिए गए है। बैठक में खुली नहरो को प्रेशराइज्ड प्रणाली में रूपांतरित कर सिंचाई रकवा बढाने के प्रस्ताव पर बल दिया गया है ताकि सिचिंत रकवा में वृद्धि हो सकें। इसके लिए सिंचाई विभाग द्वारा प्राक्कलन तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए है। शासकीय भूमि पर गौशाला निर्माण के प्रस्ताव हेतु नेशनल हाईवे के दोनो और स्थित शासकीय भूमि पर टीनशेड युक्त बाउण्ड्रीवाल से सुरक्षित गौशालाओं का निर्माण कराए जाने पर बल दिया गया है ताकि सड़को पर दुर्घटनाओं की रोकथाम हो सकें। बैठक में जिला पंचायत परिसर के विकास कार्य हेतु नवीन संकल्प पारित करने की जानकारियां प्रस्तुत की गई इसके अलावा जिला पंचायत से संबंधित कर्मचारियों के लेखा से संबंधित बिन्दुओं पर भी चर्चा की गई है।

महाविद्यालय में पौधा रोपण कर किया गया श्रमदान

विदिशा (निप्र)। राजमाता विजया राजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय विदिशा में शासन के निर्देशानुसार एनसीसी कैडेट्स एवं वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा एक पेड़ मां के नाम योजना के अंतर्गत पौधा रोपण किया गया। गुलमोहर, अशोक नेम, कदंब, बेल, सागौन जैसे महत्वपूर्ण पौधे महाविद्यालय प्रांगण में रोपे गए। प्राचार्य डॉक्टर बीडी अहिरवार ने अशोक का पौधा लगाकर छात्राओं को पर्यावरण का महत्व एवं पौधों की सुरक्षा करने की नसीहत दी। एनसीसी कैडेट्स ने न केवल पौधारोपण किया, बल्कि श्रमदान कर महाविद्यालय कैंपस की साफ सफाई की, खरपतवार निकाले। प्राचार्य द्वारा स्वयं भी श्रमदान कर छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों द्वारा भी पौधे लगाए गए। कार्यक्रम का आयोजन एनसीसी अधिकारी डॉ. विनीता प्रजापति एवं श्रीमति नीतू दांगी द्वारा किया गया। महाविद्यालय की सभी छात्राओं के द्वारा लगाए गए पौधों की सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया।

बैतूल में सेल्फी ले रहा छात्र झरने में गिरा

भोपाल में धूप के बीच बारिश, पार्वती नदी में बाढ़, श्योपुर-बांरा हाईवे बंद

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में इस मानसून सीजन में बारिश का सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। रविवार को पहली बार 53 जिलों में अति भारी और भारी बारिश का रेड, ऑरेंज-यलो अलर्ट है। मालवा-निमाड़ यानी इंदौर-उज्जैन संभाग के सभी 15 जिलों में पहली बार एक साथ रेड और ऑरेंज अलर्ट है।

भोपाल में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही थी। शाम को तेज बारिश होने लगी। बैतूल में दोस्तों को साथ पिकनिक मनाने गया 10वीं का छात्र सेल्फी लेते समय झरने में गिर गया। पैर फिसलने से यह हादसा हुआ। उसकी तलाश की जा रही है।इधर, पार्वती नदी में बाढ़ आने से श्योपुर-बांरा के बीच पुल पर पानी आ गया। इससे हाईवे बंद हो गया।

मौसम विभाग के मुताबिक, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल और सागर संभाग के सभी जिलों में तेज बारिश होगी। वहीं, चंबल के 2 जिले- मुरैना और भिंड में हल्की बारिश होगी।

शिवपुरी में 4.8 इंच बारिश, रतलाम में 4.1 इंच पानी गिरा- पिछले 24 घंटे के दौरान शिवपुरी में सबसे ज्यादा 4.8 इंच और रतलाम में 4.1 इंच पानी गिर गया। उमरिया में 2.1 इंच, सतना में 2 इंच, खजुराहो में 1.9 इंच, बैतूल में 1.8 इंच, टीकमगढ़-खंडवा में 1.7 इंच, नरसिंहपुर-गुना में 1.6 इंच, ग्वालियर, नौगांव-नर्मदापुरम में डेढ़ इंच, उज्जैन में 1.4 इंच, खरगोन-श्योपुर में 1.1 इंच बारिश हुई।

मंडला, सतना, बालाघाट, रायसेन, सिवनी, रीवा, जबलपुर, दमोह, भोपाल, इंदौर, छिंदवाड़ा, सीधी, शाजापुर, विदिशा, राजगढ़, आगर-मालवा, देवास समेत कई जिलों में बारिश का दौर चलता रहा।

शिवपुरी में बदरवास रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के किनारे की मिट्टी धंस गई। ग्राम पंचायत सलोन भरका में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनी रोड बह गई। दो कच्चे मकान ढह गए। एक ग्रामीण घायल है। बैतूल में बारिश के कारण नई दिल्ली-चेन्नई रेल मार्ग पर हाईटेंशन लाइन का केबल गार्ड टूटने से ओवरहेड इलेक्ट्रिक का इंसुलेटर फट गया। करीब साढ़े 4 घंटे तक ट्रैक बाधित रहा। 11 ट्रेन लेट हो गईं।

खंडवा में इंदिरा सागर बांध के 10 गेट आधा मीटर और 2 गेट एक मीटर तक खोले गए हैं। इनसे 3460 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है। ओंकारेश्वर डैम के 9 गेट खोलकर कुल 3510 क्यूमेक्स पानी नर्मदा में छोड़ा जा रहा है।

इटारसी में तवा डैम के 3 गेट 7-7 फीट तक खुले हैं। 36,372 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया जा रहा है। शिवपुरी में अटल सागर बांध मडीखेड़ा के 6 गेट खोल दिए गए हैं। इनसे 2077.69 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है। मंडला जिले में बीते 24 घंटे के दौरान 1.57 इंच बारिश हुई। रविवार सुबह 9 बजे नर्मदा नदी का जलस्तर वॉर्निंग लेवल को पार कर 437.69 मीटर पहुंच गया है। माहिष्मती घाट का छोटा रपटा पुल डूब गया है। शिवपुरी के कोलारस में कार तेज बहाव में बह गई। दो लोग जान बचाने में कामयाब रहे। विदिशा में ट्रैक्टर पुलिया पार करते वक्त बह गया। चालक ने कूदकर जान बचाई। छिंदवाड़ा के तामिया में गामा जीप नदी में बह गई।

प्रेमी से मिलने भोपाल से आई युवती से दुष्कर्म की कोशिश

इंदौर। तीन साल से भोपाल निवासी युवती लिव इन में रह रही थी। उसका प्रेमी इंदौर आया था। प्रेमी से मिलने जब वह इंदौर आई तो दोस्तों ने दुष्कर्म का प्रयास किया। मामला राजेन्द्र नगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक घटना दो दिन पहले सहकार नगर क्षेत्र में हुई।

पुलिस ने भोपाल में रहने वाली 23 वर्षीय पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी विनोद और सचिन पर केस दर्ज कर लिया है। पीड़िता ने बताया कि मैं 20 जुलाई को प्रेमी भूपेंद्र से मिलने आई थी। 24 जुलाई को आरोपी विनोद ने भूपेन्द्र को फोन कर उसके रूम पर खाना खाने बुलाया था। हम वहां गए तो आरोपी विनोद और भूपेन्द्र ने शराब पी। थोडी देर बाद वहां सचिन भी आ गया था। जब इन लोगों ने मुझे खाना खाने के लिए बुलाया तो आरोपियों ने मुझे पहचानते हुए विवाद किया और हमारे साथ मारपीट शुरू कर दी। सचिन कहने लगा कि तू भूपेन्द्र से क्यों बात करती है? हमें भी खुश कर दे, ऐसा कहकर आरोपियों ने मेरे साथ छेड़खानी की और बलात्कार का प्रयास करने लगे। मैंने विरोध किया और शोर मचाते हुए भूपेन्द्र की मदद से वहां से भागकर अपने को बचाया।

समझाइश के दौरान विवाद- भंवरकुआं में निजी होस्टल में रहने वाले छात्रों के बीच विवाद में समझाइश देने गए छात्र के साथ मारपीट की। पुलिस के मुताबिक विवाद भोलाराम उस्ताद मार्ग पर हुआ। फरियादी सुमित पिता दिलीप सोनी निवासी भोलाराम उस्ताद मार्ग की रिपोर्ट पर आरोपी रुद्र पिता लोकेंद्र सिंह तोमर निवासी पर केस दर्ज किया है। फरियादी ने बताया कि रुद्र तोमर अपने साथियों के साथ विवाद कर रहा था। मैंने उसे विवाद करने से मना किया तो वह गालियां देने लगा। गाली देने से मना किया तो उसने मारपीट की।

ड्रग्स के साथ हथियारों की भी तस्करी करता था यासीन

भोपाल में घर से मिले इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, हथियारों के साथ कई फोटो-वीडियो मिले

भोपाल (नप्र)। भोपाल में ड्रग्स तस्करी मामले में नया खुलासा हुआ है। मास्टरमाइंड यासीन ने पुलिस पूछताछ में हथियारों की तस्करी में शामिल होने की बात भी स्वीकारी है। उसकी मैकबुक से हथियारों के साथ कई फोटो और वीडियो मिले हैं।

यासीन की निशानदेही पर पुलिस ने शनिवार को उसके जिस साथी जगजीत सिंह उर्फ जग्गा को गिरफ्तार किया था, उसके पास से 22 बोर का देसी कट्टा बरामद हुआ है। यह कट्टा उसने यासीन से खरीदा था। पुलिस पूछताछ में जग्गा ने खुलासा किया है कि वह यासीन और उसके चाचा शाहवर के कहने पर कमीशन के बदले ड्रग की सप्लाई करता था। पुलिस अब उससे यासीन के नेटवर्क से जुड़े अन्य पैडलर्स की जानकारी जुटा रही है।

इधर, रविवार दोपहर में पुलिस यासीन को लेकर एक बार फिर उसके घर पहुंची। जहां से कुछ इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बरामद किए हैं। इससे पहले शनिवार की रात को भी यासीन को उसके घर ले जाकर जांच पड़ताल की गई थी।

युवतियों को महंगी कारों में घुमाता था आरोपी यासीन- आरोपी यासीन ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह पब और क्लब में लड़कियों से दोस्ती करता था। भरोसे में लेने के लिए युवतियों को महंगी कारों में घुमाकर उन पर पैसा खर्च करता था। बाद में हाई प्रोफाइल पब और क्लब में युवतियों की एंट्री फ्री कराता था।

ड्रग्स को पार्टी एन्जॉय कराने की दवा बताते हुए शुरुआत में फ्री में खुराक देता था। जब युवतियों को इसकी लत लग जाती थी तो ड्रग्स की एक खुराक की कीमत हजारों रुपए बताई जाती था, जो लड़कियों के लिए खरीदना आसान नहीं होता था, लिहाजा फ्री खुराक के लिए युवतियां यासीन के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार हो जाती थीं। ऐसी लड़कियों से आरोपी ड्रग्स की तस्करी कराने लगता था।

खाट पर गर्भवती को ले गए परिजन, डिलीवरी हुई

सीधी में खराब सड़क के कारण गांव से दो किमी दूर रुक गई थी एम्बुलेंस

सीधी (नप्र)। सीधी में खराब सड़क के चलते गर्भवती को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। एम्बुलेंस गांव से दो किलोमीटर दूर ही रुक गई। परिजन गर्भवती को खाट पर लिटाकर एम्बुलेंस के लिए निकले, लेकिन रास्ते में ही बच्चे का जन्म हो गया।

घटना सेमरिया थाना क्षेत्र के बरिगवां नंबर दो गांव में रविवार सुबह 8.30 बजे की है। यहां रहने वाली प्रीति रावत को प्रसव पीड़ा होने पर एम्बुलेंस बुलाई गई। गांव तक कोई पक्की सड़क नहीं होने के कारण एम्बुलेंस आगे नहीं जा पाई और दो किलोमीटर दूर ही रुक गई।

परिजनों ने प्रीति को खाट पर लिटाया और डोली बनाकर रस्सी-बल्ली के सहारे उठाकर घर से निकल पड़े। एम्बुलेंस तक पहुंचने से पहले ही डिलीवरी हो गई। इसके बाद मां और बच्चे दोनों को एम्बुलेंस से सेमरिया अस्पताल ले जाया गया। दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

ग्राम बरिगवां में लगभग 70 लोग रहते हैं। सड़क नहीं होने के कारण बारिश में यहां ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। गांव के बच्चों को स्कूल जाने में नदी पार करना पड़ता है।

समाजसेवी ने घटना को बताया शर्मसार- सीएमएचओ डॉ. बबीता खरे ने बताया, एम्बुलेंस समय पर पहुंची थी, लेकिन सड़क न होने के कारण गांव तक नहीं जा सकी। समाजसेवी प्रभात वर्मा ने इसे शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि यदि समय पर परिजन मदद न करते तो मां और नवजात की जान खतरे में पड़ सकती थी।

दो स्थानों पर पेड़ गिरे, एमजी रोड पर मकान का छज्जा ढहा

नगर निगम की आपदा प्रबंधन टीम ने मैदान संभाला

इंदौर। दो दिनों से शहर में झमाझम बारिश से कई क्षेत्रों और निचली बस्तियों में जलजमाव हो गया। निकासी की बेहतर व्यवस्था नहीं होने से लोग पानी से होकर आवाजाही करने पर मजबूर हो गए। शुक्रवार-शनिवार रात तेज बारिश से वंदना नगर और गाड़ी अड्डे के वाल्मीकि नगर में पेड़ गिर गए, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित हुई।

एमजी रोड क्षेत्र में जर्जर मकान का छज्जा गिर गिया। इससे कोई जनहानि नहीं हुई। सूचना मिलते ही तत्काल निगम की टीम मौके पर पहुंचकर पेड़ों को हटाया। जबकि, विनोबा नगर, गोयल नगर एक्सटेंशन, जानकी बाई का बाड़ा, संविद नगर में भी सड़कों पर घुटनों तक पानी भरा गया। निगम आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशन में आपदा प्रबंधन की टीम विभिन्न स्थानों पर जल निकासी का कार्य में लगी रही। आयुक्त ने नगर निगम चौराहा, मधुमिलन चौराहा, जीपीओ चौराहा, आजाद नगर, तीन इमली, पिपलियाहाना, मूसाखेड़ी, वर्ल्ड कप चौराहा, अग्रवाल पब्लिक स्कूल के आगे लोटस के पास, रिंग रोड एवं स्कीम नंबर 140 क्षेत्र का निरीक्षण किया गया।

झोनल अधिकारी को फटकार

इसी दौरान आयुक्त को स्कीम नंबर 140 में जल जमाव की शिकायत मिली। इस पर उन्होंने जोनल अधिकारी धीरेंद्र बायस को फटकार लगाई और तत्काल निगम की आपदा प्रबंधन ऑरेंज टीम को मौका स्थल पर बुलाकर जल निकासी का कार्य कराया गया। बायस को कुछ माह पहले जोन क्रमांक 3 से हटाया था। उनके संरक्षण में भाजपा नेता ने चिमनबाग रोड पर मूत्रालय के साथ पर दुकान का निर्माण कर लिया था।

'इंदौर की छवि से खिलवाड़ नहीं चलेगा' फेक न्यूज पर एफआईआर की चेतावनी

सोशल मीडिया पर कुछ भ्रामक वीडियो इंदौर के बताकर पोस्ट किए

इंदौर। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने फेक न्यूज और भ्रामक पोस्ट के ज़रिए इंदौर की छवि को धूमिल करने वालों को चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो लोग दूसरे शहरों की घटनाओं, वीडियो या फोटो को इंदौर की बताकर सोशल मीडिया पर वायरल करते हैं, वे इंदौर के साथ विश्वासघात कर रहे हैं। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

महापौर ने कहा कि इंदौर के जागरूक नागरिकों का धन्यवाद, जो सही मुद्दों को नगर निगम तक पहुंचाते हैं। लेकिन, कुछ लोग महज लाइक्स और व्यूज़ के लिए फर्जी और गुमराह करने वाली पोस्ट डालकर शहर की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचा रहे हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि हाल ही में खजराना ब्रिज की आड़ में दूसरे शहर के वीडियो को इंदौर का बताकर भ्रम फैलाया गया,साथ ही फेंक के माध्यम से किसी ओर शहर के गड्ढे में ऑटो पलटने की घटना को इंदौर का बता आकर पोस्ट किया जिसकी शिकायत पुलिस को करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

चेतावनी नहीं, सीधे कार्रवाई

महापौर ने कहा कि इंदौर की पहचान उसकी स्वच्छता, अनुशासन और सकारात्मकता से है। कोई भी व्यक्ति अगर सोशल मीडिया पर जानबूझकर फेक वीडियो या झूठी जानकारी डालकर शहर की छवि बिगाड़ने की कोशिश करेगा, तो उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए नगर निगम की सोशल मीडिया निगरानी टीम अब ऐसे कंटेंट पर नजर रखेगी।

यदि कोई पोस्ट संदिग्ध पाई गई, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ तुरंत एफआईआर की जाएगी। इंदौर वासियों से अपील की गई है कि सोशल मीडिया पर किसी भी वीडियो या फोटो को साझा करने से पहले उसकी सच्चाई जरूर जांच लें। भ्रामक जानकारी फैलाना अपराध है और इससे आपके शहर की छवि पर आंच आती है।

सरप्राइज कॉम्बिंग गश्त में पुलिस ने 1015 बदमाशों को चेक किया

शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 97 चालकों पर कार्रवाई की

इंदौर। पुलिस ने सरप्राइज कॉम्बिंग गश्त की, जो रात भर जारी रही। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस बल ने शहर के सभी थाना क्षेत्रों में गुंडे, बदमाशों और असामाजिक तत्वों की निगरानी और धरपकड़ के लिए यह अभियान चलाया। गश्त के दौरान 1015 बदमाशों की जांच की गई, जिनमें से 492 के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई। इसके अलावा 289 से अधिक मामलों में वारंट तामील कराए गए। इनमें 67 स्थायी, 84 गिरफ्तारी, 138 जमानती वारंट और 136 समन शामिल हैं।

गश्त के दौरान पुलिस ने देर रात वाहनों की भी चेकिंग की। शराब पीकर वाहन चलाने वाले लापरवाह चालकों पर सख्त कार्रवाई करते हुए 97 वाहन चालकों के खिलाफ 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण बनाए गए। इसके अलावा यातायात नियमों का उल्लंघन कर लापरवाही से वाहन चलाने वाले 12 लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ 17 प्रकरण दर्ज किए गए। बदमाशों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है।

पिस्टल के साथ एक गिरफ्तार - गश्त के दौरान एरोड्रम पुलिस ने एक आरोपी को देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। अवैध हथियार रखने वालों पर एमआईजी पुलिस ने चार अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं। तिलक नगर पुलिस ने एक जिलाबदर आरोपी को जिला बदर अवधि का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया। 203 गुंडे, 73 चाकूबाज और 37 हिस्ट्रीशीटर चेक किए गए। पुलिस ने गश्त के दौरान कुल 535 से अधिक बदमाशों की जांच की, जिनमें शामिल हैं।

203 आपराधिक प्रवृत्ति के बदमाश

61 नकबजन, 31 लुटेरे, 73 चाकूबाज, 15 ड्रग पेडलर्स, 37 हिस्ट्रीशीटर, 37 निगरानीशुदा बदमाश, 42 जिला बदर / रासुका के तहत बंदी, 9 महिला अपराधों में शामिल आरोपी, 15 आगजनी व तोड़फोड़ में लिप्त अपराधी।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

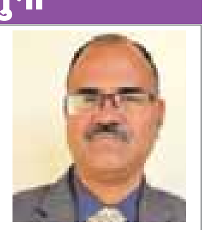

मंत्री ओपी चौधरी के खिलाफ बिगुल पर गरमाई राजनीति

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी के खिलाफ सोशल मीडिया पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत के हल्ला बोल अभियान से राजनीति गरमा गई है। रवि भगत ने मंत्री ओपी चौधरी के खिलाफ सोशल मीडिया पर आरोप लगाया है। रवि भगत ने सीएसआर फंड के तहत निर्माण और उसके आबंटन को मुद्दा बनाया है। ऐसा आमतौर पर भाजपा में होता नहीं है। रवि भगत के हल्ला बोल से प्रदेश स्तर पर संगठन और सरकार की साख पर आंच आई है। ओपी चौधरी के खिलाफ बयान के बाद पार्टी ने रवि भगत को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। हल्ला है कि रवि भगत पर पार्टी कठोर कार्रवाई कर सकती है। माना जा रहा है कि आईएएस की नौकरी छोड़कर राजनीति में आए ओपी चौधरी को भाजपा से जुड़े लोग अब तक दिल से स्वीकार नहीं कर पाए हैं। ओपी चौधरी के खिलाफ रवि भगत के हमले को भाजपा के अंतर्कलह के रूप में देखा जा रहा है। ओपी चौधरी रायगढ़ से विधायक हैं और रवि भगत रायगढ़ जिले के लैलूंगा के रहने वाले हैं। रवि भगत ने 2023 के विधानसभा चुनाव में लैलूंगा से पार्टी की टिकट भी मांगी थी। कहा जाता है युवा आदिवासी नेता होने के नाते पार्टी ने रवि भगत को युवा मोर्चे की कमान सौंपी थी। रायगढ़ जिले में अभी ओपी चौधरी को छोड़कर सभी कांग्रेस के विधायक हैं। रायगढ़ जिले में रायगढ़ के अलावा खरसिया, लैलूंगा और धर्मजयगढ़ विधानसभा हैं। ओपी चौधरी अपने विधानसभा में विकास की गंगा बहा रहे हैं। रवि भगत का ओपी चौधरी से लड़ाई में यही मूल कारण है।

मंत्रियों का दिखावा

वैसे तो राजनीति से जुड़े लोग कोई भी कारोबार करें, चुनाव के वक्त घोषणा पत्र में अपना व्यवसाय कालम में अधिकतर नेतागण किसान ही लिखते हैं। अब तक तो नेता लिख देते थे, अब बताने भी लगे हैं कि वे किसान हैं और सोशल मीडिया में किसान रूप का फोटो डालकर नई छवि चमकाने भी लगे हैं। कुछ हफ्ते पहले सोशल मीडिया में छत्तीसगढ़ के राजस्व और खेल मंत्री टंकराम वर्मा का खेत में थरहा (धान के पौधे) ले जाते फोटो वायरल हुआ था। इसके बाद खेत में कुर्सी पर बैठकर थरहा खींचते महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की तस्वीर सुर्ख़ियों में रही। मंत्रियों के किसान होने या मजदूर की तरह काम का दिखावा का मतलब लोगों को समझ नहीं आ रहा है। संवैधानिक पद पर विराजने के पहले नेतागण कोई न कोई काम करते हैं। कोई किसान तो कोई व्यापारी हो सकता है। सरकारी नौकरी वाले भी राजनीति में कदम रख सकते हैं, पर किसान होने का दिखावा क्यों? पहले भी कुछ मंत्रियों का खेतों में काम करने वाला फोटो जनता देख चुकी है। पहले इस तरह के कामों को शालीनता और सहजता के रूप में देखा जाता था। सोशल मीडिया के जमाने में इसे लाइक बटोरने वाला बताया जा रहा है।

दीपक बैज का रमेश बैस प्रेम

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा नेता और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल रमेश बैस को उपराष्ट्रपति बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। यह तो सभी जानते हैं कि नरेंद्र मोदी चौंकाने वाले फैसले लेते हैं और जिसका नाम उछलता है, वह कट हो जाता है। अब दीपक बैज ने उपराष्ट्रपति के लिए रमेश बैस का नाम चलाकर दोस्ती निभाई या दुश्मनी, यह तो चर्चा का विषय है। रमेश बैस अपने पांच साल के कार्यकाल में त्रिपुरा,झारखंड और महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे, फिर उन्हें अगला टर्म नहीं मिला। बैस इन दिनों राजनीतिक हासिये पर हैं। छत्तीसगढ़ से किसी को उपराष्ट्रपति बनने का मौका मिलेगा, इसकी संभावना कम ही है। न ही यहां निकट भविष्य में कोई चुनाव है और न कोई जातीय समीकरण दमदार है, जो चुनाव को प्रभावित कर सके।

देवेंद्र यादव अलग राह पर

कहते हैं भिलाई नगर से कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव इन दिनों अलग राह पर चलने लगे हैं। बताते हैं कभी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के काफी करीबी माने जाने वाले देवेंद्र यादव को चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के विरोध के दौरान नहीं देखा गया। लोग कह रहे हैं वे कहीं बाहर चले गए थे। खबर है कि लोकसभा चुनाव के दौरान ही देवेंद्र यादव ने अपने लिए अलग रास्ता चुन लिया। लोकसभा में बिलासपुर से भाग्य भी आजमाया। इसके बाद वे बलौदाबाजार कांड में चर्चा में आए। देवेंद्र यादव बिहार के प्रभारी सचिव हैं। कुछ महीनों बाद बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। चर्चा है कि देवेंद्र यादव अपनी अलग छवि बनाकर राजनीति करना चाहते हैं।

आबकारी अफसरों को राहत पर सवाल

शराब घोटाले में नामजद होने के कारण विष्णुदेव साय की सरकार ने 29 आबकारी अधिकारियों को निलंबित कर दिया। ये अफसर गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट की शरण में गए। हाईकोर्ट ने राहत देने से मना कर दिया। हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत ख़ारिज होने के बाद भी ऊपर वाले की कृपा से ये अफसर गिरफ्तारी से अभी बचे हुए हैं। शराब घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे की गिरफ्तारी के बाद इन अफसरों की आजादी पर सवाल भी उठने लगे हैं। एक जाँच एजेंसी पर भी उंगुली उठने लगी है। भूपेश राज में आबकारी विभाग में मुख्य भूमिका पर रहे एक अफसर की शराब घोटाले में अब तक गिरफ्तारी न होने पर भी लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। बताते हैं अफसर का नाम चार्जशीट में है।

दिल्ली में पैर जमाने में लगे सांसद जी

कहते हैं छत्तीसगढ़ के एक सांसद इन दिनों देश की राजधानी में पैर जमाने में लगे हैं। इसके लिए पूजा-पाठ भी करा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में सांसद जी का बड़ा प्रभाव था और उनकी अपने क्षेत्र में तूती बोलती थी। सांसद जी अब वैसा ही प्रभाव दिल्ली में बनाना चाहते हैं। कहते हैं इसके लिए सांसद जी को शून्य से शुरू करना पड़ रहा है। लोकसभा और राज्यसभा को मिलाकर देश में करीब 780 सांसद हैं। इनमें 530 तो लोकसभा के सांसद हैं। अब देखते हैं सांसद जी दिल्ली में कितनी जल्दी अपना प्रभाव कायम कर पाते हैं।

वन्यप्राणी का अगला मुखिया कौन होंगे ?

पीसीसीएफ (वन्य प्राणी) सुधीर अग्रवाल अगस्त में रिटायर हो जाएंगे, ऐसे में चर्चा शुरू हो गई है कि अगला पीसीसीएफ वन्य प्राणी कौन होंगे ? वन विभाग में पीसीसीएफ वन्य प्राणी का अहम रोल होता है और इस पद को वन बल प्रमुख के बराबर का माना जाता है। चर्चा है कि 1989 बैच के आईएफएस तपेश कुमार झा अगले पीसीसीएफ (वन्य प्राणी) हो सकते हैं। तपेश कुमार झा वर्तमान वन बल प्रमुख और प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्रीनिवास राव से एक साल वरिष्ठ हैं और अभी उनके पास कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं है। 1990 बैच के आईएफएस अनिल कुमार साहू भी वरिष्ठ हैं। वे अभी छत्तीसगढ़ लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक हैं।